राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 347 | जौनपुर | बुधवार, 06 अगस्त 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

8 साल में 14वीं बार पैरोल पर बाहर आया राम रहीम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को मंगलवार को 40 दिन की पैरोल मिलने के बाद हरियाणा की सुनारिया जेल से फिर रिहा कर दिया गया। हत्या और बलात्कार के मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद से यह 14वीं बार है जब उन्हें जेल से बाहर जाने की अनुमति दी गई है। भारी पुलिस सुरक्षा के बीच, राम रहीम सुबह–सुबह जेल परिसर से निकलकर सिरसा स्थित डेरा मुख्यालय के लिए रवाना हुए। उनकी पैरोल और फर्लो की आवृत्ति और अवधि के कारण उनकी रिहाई ने एक बार फिर ध्यान आकर्षित किया है। इससे पहले, इसी साल 9 अप्रैल को उन्हें 21 दिन की फर्लो पर रिहा किया गया था। इससे पहले, उन्हें कई बार अस्थायी रिहाई दी गई थी, जिससे गंभीर आपराधिक मामलों में दोषी ठहराए गए व्यक्ति को दी गई रियायत पर सवाल उठे थे और विभिन्न वर्गों से आलोचना हुई थी। राम रहीम वर्तमान में दो महिला अनुयायियों के यौन उत्पीड़न और पत्रकार रामचंदर छत्रपति की हत्या सहित कई मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद सजा काट रहे हैं।

शिबू सोरेन की अंतिम यात्रा रांची के मोरहाबादी से शुरू

रांची, (एजेंसी)। झारखंड आंदोलन के पुरोधा और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन की अंतिम यात्रा सोमवार सुबह 10:45 बजे उनके रांची स्थित मोरहाबादी आवास से शुरू हुई। शव यात्रा सबसे पहले झारखंड विधानसभा ले जाई गई, जहां दिवंगत नेता को राजकीय सम्मान के साथ श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद पार्थिव शरीर को रामगढ़ जिले के नेमरा स्थित उनके पैतृक गांव ले जाया जा रहा है, जहां पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। जुड़े केस में 6 अगस्त को चाईबासा कोर्ट में हाजिर होंगे राहुल गांधी शिबू सोरेन को अंतिम विदाई–कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की शिबू सोरेन को अंतिम विदाई देने के लिए देशभर से नेता और समर्थक रांची पहुंचे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सांसद राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव समेत कई दिग्गज नेता नेमरा में अंतिम संस्कार में शामिल होंगे। रांची में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन, पूर्व सांसद फुरकान अंसारी, लोकसभा सांसद पप्पू यादव, राज्यसभा सांसद संजय सिंह समेत कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। निधन पर झारखंड सरकार ने घोषित किया तीन दिवसीय राजकीय शोक 'वीर शिबू सोरेन अमर रहें', शुगुरुजी अमर रहेश जैसे नारे गूंजे इसके पहले शिबू सोरेन के अंतिम दर्शन के लिए सोमवार शाम से लेकर मंगलवार सुबह तक हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। इस दौरान 'वीर शिबू सोरेन अमर रहें', शुगुरुजी अमर रहेश जैसे नारे गूंजते रहे। पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि देते हुए

रोजगार मेले में छह हजार युवाओं को मिलेगी नौकरी : सीएम योगी

बरेली, (एजेंसी)। बरेली में नगर निगम के चार कार्यों का शिलान्यास और एक का लोकार्पण किया जाएगा। इससे आवागमन आसान होगा। विकास को रफ्तार मिलेगी। शिलान्यास सीएम ग्रिड योजना का 45 करोड़ रुपये लागत का अकेला प्रोजेक्ट है। सीएम ग्रिड योजना में कोहाड़ापीर पेट्रोल पंप से जीआरएम स्कूल होते हुए कुदेशिया फाटक और कोहाड़ापीर पेट्रोल पंप से सूद ६ र्मकांटे तक सड़क के साथ जलनिकासी व्यवस्था से जुड़े काम भी होंगे। संचार और बिजली की लाइनें भूमिगत हो जाएंगी। इसके अलावा, वार्ड– सात राजीव कॉलोनी में गली नंबर चार, पांच, सात, आठ और 21 तथा पटेल बिहार की एसपीएस स्कूल को जाने वाली सीसी रोड के साथ वार्ड 56 में भी सीसी रोड और नालियों के हुए कामों का लोकार्पण होगा। वार्ड 32, 22, 56 में हुए विकास कार्यों का भी सीएम लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री की जनसभा स्थल पर रोजगार मेला भी लग रहा है। इसमें निजी क्षेत्र की 100 कंपनियों को आमंत्रित किया गया है। 10 हजार अभ्यर्थियों को बुलाया गया है। इसमें छह हजार रिक्त पदों पर चयन की कार्रवाई होनी है। मेले में जिले के सभी आईटीआई और कौशल विकास मिशन के तहत प्रशिक्षित और नियोजकों को रोजगार मेले में बुलाया गया है। साथ ही महाविद्यालयों एवं तकनीकी संस्थानों के प्राचार्य एवं प्रबंधकों को रोजगार मेले में बेरोजगारों को प्रतिभाग कराने की जिम्मेदारी दी गई है। ये लोग बेरोजगार अभ्यर्थियों का पंजीकरण भी ऑनलाइन पोर्टल पर कराएंगे। रोजगार मेले में अधिक से अधिक लोगों को अवसर मिले, इसलिए डीपीआरओ से भी कहा गया है कि वह ग्रामीण क्षेत्र में बीडीओ, रोजगार सेवकों व प्रधानों से प्रचार कराएं।

जम्मू–कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद 79 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आज लगभग 1 बजे नई दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में उनका निधन हो गया, जहां उनका इलाज चल रहा था। मलिक ने अगस्त 2018 से अक्टूबर 2019 तक पूर्ववर्ती जम्मू और कश्मीर राज्य के 10वें और अंतिम राज्यपाल के रूप में कार्य किया और उनके कार्यकाल के दौरान ही 5 अगस्त 2019 को जम्मू और कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त किया गया। बाद में, वे गोवा चले गए और 18वें राज्यपाल बने और अक्टूबर 2022 तक मेघालय के 21वें राज्यपाल के रूप में भी कार्य किया। राजनेता के रूप में उनका पहला प्रमुख कार्यकाल 1974–77 के दौरान उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य के रूप में रहा। उन्होंने 1980 से 1986 और 1986–89 तक राज्यसभा में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। वे 1989 से 1991 तक जनता दल के सदस्य के रूप में अलीगढ़ से नौवीं लोकसभा के सदस्य रहे। वे अक्टूबर 2017 से अगस्त 2018 तक बिहार के राज्यपाल रहे। 21 मार्च 2018 को, उन्हें 28 मई 2018 तक ओडिशा के राज्यपाल के रूप में कार्य करने का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया। अगस्त 2018 में उन्हें जम्मू और कश्मीर राज्य का राज्यपाल नियुक्त किया गया। मलिक का जन्म उत्तर प्रदेश के बागपत के हिसावदा गाँव में एक जाट परिवार में हुआ था। उन्होंने मेरठ विश्वविद्यालय से विज्ञान स्नातक और एलएलबी की डिग्री हासिल की। 1968–69 में, मलिक छात्र संघ अध्यक्ष चुने गए, जिससे उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत हुई।

अमित शाह ने बनाया नया रिकॉर्ड, 2258 दिनों से हैं गृहमंत्री, एलके आडवाणी को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमित शाह मंगलवार को भारत के सबसे लंबे समय तक केंद्रीय गृह मंत्री रहने वाले मंत्री बन गए हैं। 30 मई, 2019 को पदभार ग्रहण करने के बाद से 2,258 दिनों तक पद पर रहने के साथ, शाह ने अब वरिष्ठ भाजपा नेता लाल कृष्ण आडवाणी के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। शाह का कार्यकाल कांग्रेस के दिग्गज नेता गोविंद बल्लभ पंत के कार्यकाल से भी आगे निकल गया है, जिससे वर्तमान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार में एक प्रमुख स्तंभ के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हो गई है। संयोग से, शाह ने यह उपलब्धि 5 अगस्त को हासिल की, जिस दिन उन्होंने 2019 में संसद में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की घोषणा की थी, जिससे जम्मू–कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त हो गया था। अमित शाह से पहले, कांग्रेस नेता गोविंद बल्लभ पंत और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता लाल कृष्ण आडवाणी

सबसे लंबे समय तक गृह मंत्री रहे हैं। इससे पहले, भाजपा के दिग्गज नेता लाल कृष्ण आडवाणी 2,256 दिनों (19 मार्च, 1998 से 22 मई, 2004 तक) तक इस पद पर रहे थे। वहीं, अमित शाह 30 मई, 2019 से गृह मंत्री के रूप में कार्यरत हैं और 4 अगस्त, 2025 तक वे 2,258 दिन पूरे कर लेंगे। गोविंद बल्लभ पंत 10 जनवरी, 1955 से 7 मार्च, 1961 तक, कुल 6 वर्ष और 56 दिन तक इस पद पर रहे। शाह 30 मई 2019 को देश के गृह मंत्री बने और 9 जून 2024 तक इस पद पर रहे। 10 जून 2024 को वे फिर से गृह मंत्री बने और इस पद पर कार्यरत हैं। गृह मंत्रालय के अलावा, वे देश के पहले सहकारिता मंत्री भी हैं। इसके अलावा, अमित शाह गुजरात के गृह मंत्री भी रह चुके हैं और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद भी संभाल चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय गृह मंत्री के रूप में अमित शाह का कार्यकाल भारत के आंतरिक सुरक्षा परिदृश्य में कई परिवर्तनकारी विकासों से चिह्नित रहा है।

मेरे से ट्यूशन ले लो, 40 साल से ज्यादा विपक्ष में : जेपी नड्डा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राज्यसभा के नेता जेपी नड्डा और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच मंगलवार को सदन के अंदर सीआईएसएफ कर्मियों की कथित तैनाती को लेकर तीखी बहस हुई। विपक्षी दलों की ओर से मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सदन के वेल के पास सीआईएसएफ कर्मियों को तैनात किया है। खड़गे ने कहा कि हम इस बात से हैरान और स्तब्ध हैं कि कैसे सीआईएसएफ कर्मियों को सदन के वेल में दौड़ाया गया, जब सदस्य विरोध के अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग कर रहे थे। हमने कल और आज फिर ऐसा देखा। इसे भी पढ़ेंरू राज्यसभा में हंगामे पर भड़के किरेन रिजिजू, कहा– विपक्ष ने सदन की गरिमा

को कम करने का किया प्रयास खड़गे ने सवाल किया कि क्या हमारी संसद इस स्तर तक गिर गई है? यह बेहद आपत्तिजनक है और हम इसकी निंदा करते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि भविष्य में, जब सदस्य जनहित के महत्वपूर्ण मुद्दे उठा रहे होंगे, तो सीआईएसएफ कर्मी सदन के वेल में नहीं आएंगे। उन्होंने कहा कि जब अरुण जेटली जी राज्यसभा में विपक्ष के नेता थे और सुषमा स्वराज जी लोकसभा में विपक्ष की नेता थीं, तो उन्होंने कहा था कि कार्यवाही में बाधा डालना भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करना है। यह कोई बड़ी बात नहीं है। हम लोकतांत्रिक तरीके से विरोध कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। यह हमारा अधिकार है। हालांकि, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने खड़गे के दावों का खंडन किया और कहा कि यह सीआईएसएफ कर्मियों का नहीं, बल्कि संसदीय सुरक्षा का मामला था। उन्होंने स्पष्टीकरण दिया। हालांकि, खड़गे के आरोपों का जवाब देते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि आपने स्पष्ट कर दिया है कि कार्यवाही में बाधा डालना अलोकतांत्रिक है। अगर मैं बोल रहा हूँ और कोई मेरे पास आकर नारे लगाने लगे, तो यह लोकतंत्र नहीं है। यह काम करने का सही तरीका नहीं है। मैं खुद लंबे समय तक विपक्ष में रहा हूँ, और मैं कहूँगा कि विपक्ष के रूप में कैसे काम किया जाता है, यह मुझसे सीखिए, क्योंकि आप अगले 40 साल तक विपक्ष में रहेंगे। विपक्ष की आलोचना करते हुए नड्डा ने कहा कि उनका व्यवहार न केवल अलोकतांत्रिक है।

बसपा न एनडीए में है और न ही इंडी गठबंधन में : मायावती

लखनऊ, (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने एक बयान जारी कर अपनी पार्टी की स्वतंत्र राजनीतिक नीति को दोहराया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीएसपी न तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एनडीए गठबंधन के साथ है और न ही कांग्रेस के इंडी गठबंधन से जुड़ी है। मायावती ने जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के सिद्धांतों पर चलती है, जो दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों के उत्थान के लिए समर्पित है। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा, जैसा कि सर्वविदित है कि बहुजन समाज पार्टी (बी.एस.पी.) ना तो बीजेपी के एनडीए गठबंधन के साथ है और ना ही कांग्रेस के इंडिया समूह (गठबंधन) के साथ है, और ना ही किसी और के साथ है, बल्कि इन

दोनों व अन्य और किसी भी जातिवादी गठबंधनों से अलग अपनी चसर्वजन हिताय व सर्वजन सुखायच के अंबेडकरवादी सिद्धांत व नीति पर चलने वाली पार्टी है। मायावती ने आगे लिखा, इसके बावजूद भी खासकर दलित, आदिवासी एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विरोधी तथा इन वर्गों के प्रति जातिवादी मानसिकता रखने वाले कुछ मीडिया बी.एस.पी. की इमेज को बीच–बीच में धूमिल करने व राजनीतिक नुकसान पहुंचाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ते हैं, जिसको लेकर पार्टी को लगातार अपने लोगों को इनसे सतर्क करते रहने की जरूरत पड़ती रहती है। पोस्ट में आगे लिखा कि इस क्रम में अभी हाल में एक यूट्यूब चौनल में च्चबीजेपी के साथ आ गयी मायावती कर दिया बड़ा ऐलान?च्च इस शीर्षक से गलत, तथ्यहीन व विषैली खबर चलायी है।

मेरा भाई सेना का बहुत सम्मान करता है : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत–चीन झड़प (9 दिसंबर 2022) पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की टिप्पणी को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा जताई गई नाराजगी पर कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने कड़ा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि एक सच्चा भारतीय कौन है, यह तय करने का अधिकार किसी को नहीं है, और न ही यह न्यायपालिका का दायरा है। प्रियंका गांधी ने कहा, वे यह तय नहीं करते कि एक सच्चा भारतीय कौन है। यह विपक्ष के नेता का कर्तव्य है कि वह सरकार से सवाल पूछे, खासकर जब बात देश की सुरक्षा और सीमाओं की हो। मेरा भाई कभी भी भारतीय सेना के खिलाफ कुछ नहीं कह सकता। वह सेना का सर्वोच्च सम्मान करता है। प्रियंका का

यह बयान उस समय आया है जब सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी से पूछा था कि उन्हें यह जानकारी कैसे मिली कि चीन ने 2000 वर्ग किलोमीटर भारतीय जमीन पर कब्जा कर लिया है। कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि जब सीमा पर संघर्ष चल रहा हो, उस समय ऐसी बातें कहना राष्ट्रहित के खिलाफ हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से चीन के भारत की जमीन को कब्जे में करने वाली टिप्पणी को लेकर सवाल पूछा है। राहुल गांधी ने श्भारत जोड़ो यात्राच्च के दौरान ये टिप्पणी की थी। अपने बयान में राहुल ने 9 दिसंबर 2022 को तवांग सेक्टर में भारत और चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़प का भी जिक्र किया था। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी के इस दावे पर कहा कि, अगर वह एक सच्चे भारतीय होते, तो इस तरह की बातें नहीं करते। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की अध्यक्षता वाली पीठ ने राहुल गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी से पूछा, आपको कैसे पता कि चीन ने 2,000 वर्ग किलोमीटर भारतीय जमीन पर कब्जा कर लिया है? क्या आप वहां थे? क्या आपके पास कोई भरोसेमंद सबूत है? अगर आप एक सच्चे भारतीय होते, तो ऐसा नहीं कहते। जब सीमा पर संघर्ष होता है, तो दोनों तरफ हताहत होना कोई असामान्य बात नहीं है।

विपक्ष ने सदन की गरिमा को कम करने का किया प्रयास : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राज्यसभा में सीआईएसएफ जवानों की तैनाती को लेकर उच्च सदन में हंगामे के बीच, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने संसद के अंदर सुरक्षाकर्मियों की तैनाती के बारे में गलत जानकारी फैलाकर सदन की मर्यादा को कम करने और देश को गुमराह करने की कोशिश की है। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए, रिजिजू ने बताया कि सदन में हंगामा तब शुरू हुआ जब उन्होंने चर्चा के दौरान राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा उपसभापति को लिखे पत्र पर आपत्ति जताई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विपक्ष ने आरोप लगाया है कि सरकार ने

सेना, पुलिस और सीआईएसएफ के जवानों को तैनात किया है। हालाँकि, सभापति ने स्पष्ट किया कि कोई बाहरी सैन्य या पुलिस बल तैनात नहीं किया गया थाय केवल सदन के मार्शल ही मौजूद थे। नियमों के अनुसार, संसद के अंदर केवल मार्शलों को ही जाने की अनुमति है। मार्शलों के अलावा, केवल सदस्यों और कर्मचारियों को ही प्रवेश की अनुमति है। विपक्ष ने मीडिया के माध्यम से झूठ फैलाया। उन्होंने सदन की मर्यादा को कम करने और देश को गुमराह करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा, श्आज से सत्र का तीसरा हफ्ता शुरू हो रहा है। इन दिनों में हम एक भी विधेयक पारित नहीं कर पाए हैं। हमने राज्यसभा में शिपिंग विधेयक पारित किया और लोकसभा में मणिपुर में राष्ट्रपति शासन संबंधी वैधानिक प्रस्ताव पारित किया, जिसे हम आज राज्यसभा में पारित करेंगे।श केंद्रीय मंत्री ने विपक्ष से सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलने देने की अपील की। रिजिजू ने कहा, ष्हम और भी विधेयक पेश करेंगे, लेकिन उससे पहले मैं मुख्य विपक्षी दलों से अपील करता हूँकि वे विधेयकोंऔर अन्य संसदीय कार्यों में बाधा न डालें। देश की जनता ने हमें संसद में इसलिए भेजा है ताकि हम उनके लिए काम कर सकें। इससे पहले, मंगलवार को राज्यसभा के नेता जेपी नड्डा और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच सदन के अंदर सीआईएसएफ कर्मियों की कथित तैनाती को लेकर तीखी बहस हुई।

मनीष तिवारी ने टैरिफ पर डोनाल्ड ट्रंप की धमकी की आलोचना की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रूस के साथ ऊर्जा संबंधों को लेकर भारत से आने वाले सामानों पर टैरिफ में भारी वृद्धि करने की ताजा धमकी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि लगातार डराने–धमकाने की कोशिशों का विरोध किया जाए। संसद के मानसून सत्र के दौरान बाहर मीडिया से बातचीत करते हुए मनीष तिवारी ने उम्मीद जताई कि भारत सरकार डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों का दृढ़ता से जवाब देने का दृढ़ संकल्प और हिम्मत दिखाएगी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप की अपमानजनक टिप्पणी ने 1.4 करोड़ भारतीयों के सम्मान और स्वाभिमान को ठेस पहुँचाई है। मुझे उम्मीद है कि सरकार इस सज्जन को जवाब देने का दृढ़ संकल्प और साहस दिखाएगी। तिवारी ने आगे कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश के राष्ट्रपति द्वारा अंतरराष्ट्रीय संवाद में ऐसी अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस निरंतर धौंस–धमकी और धमकी का विरोध करने का समय आ गया है। तिवारी ने आगे कहा कि भारत की ऐतिहासिक विरासत रही है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों के लिए खतरा बनने वाली किसी भी चीज के खिलाफ खड़ा होता रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रंप की टैरिफ धमकियों का भारत सरकार को दृढ़ राष्ट्रीय संकल्प के साथ सामना करना होगा। तिवारी की यह टिप्पणी सोमवार को भारत द्वारा अमेरिका और यूरोपीय संघ पर असामान्य रूप से तीखा पलटवार करने के कुछ घंटों बाद आई है, जिसमें उन्होंने रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए नई दिल्ली को अनुचित तरीके से निशाना बनाने का आरोप लगाया था। आलोचना को दृढ़ता से खारिज करते हुए, भारत ने इस मुद्दे पर उसे निशाना बनाने में दोहरे मानदंडों की ओर इशारा किया और कहा कि अमेरिका और यूरोपीय संघ दोनों रूस के साथ अपने व्यापारिक संबंध जारी रखे हुए हैं।

संपादकीय

शुभमन जीत

सही मायनों में, दिग्गज क्रिकेटरों की अनुपस्थिति में युवा भारतीय क्रिकेटरों ने इंग्लैंड की धरती पर नया इतिहास रचा है। ओवल टेस्ट में उन्होंने इंग्लैंड के मुंह से जीत छीन ली। जो मैच इंग्लैंड के पाले में जाता दिख रहा था, उसे अपनी जीत में बदल दिया। लगातार रोमांचक होते मैच को जीतकर टीम ने न केवल मैच जीता बल्कि शृंखला को भी दो–दो से बराबरी पर ला खड़ा किया। युवा तुर्कों ने उन तमाम क्रिकेट पंडितों की भविष्यवाणियों को बेकार साबित किया, जो इंग्लैंड टीम द्वारा शृंखला जीतने के दावे कर रहे थे। ओवल टेस्ट के अंतिम क्षणों में मोहम्मद सिराज ने तो मैच का पासा ही पलट दिया। मैच के रोमांच ने बताया कि क्यों क्रिकेट पंडित टेस्ट क्रिकेट को असली क्रिकेट की संज्ञा देते हैं। भारत के धुरंधर क्रिकेटरों के बिना इंग्लैंड के खिलाफ उतरी इस टीम ने कई इतिहास रचे, कई रिकॉर्ड तोड़े और नये रिकॉर्ड बनाए। भारतीय क्रिकेट के पिछले 93 साल के इतिहास में यह पहली बार हुआ कि किसी शृंखला में पांच भारतीय बल्लेबाजों ने चार सौ से अधिक रन बनाए हों। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि भारतीय खिलाड़ियों ने ये रन तेज गति व उछाल लेती पिचों के बीच बनाये। उन्होंने पूरे दमखम के साथ तेज ब्रिटिश गेंदबाजों का मुकाबला किया। दरअसल, लीड्स व लॉर्ड्स के मैच भारतीय टीम को करीबी मुकाबले में खोने पड़े अन्यथा टीम शृंखला भी जीत सकती थी। कप्तान शुभमन गिल की इसलिए भी तारीफ करनी होगी कि उन्होंने विदेशी पिच पर कप्तानी के दबाव के बीच भरपूर व सर्वाधिक रन बनाये। कई रिकॉर्ड्स उनकी सफल कप्तानी के गवाह हैं। मोहम्मद सिराज ने निर्णायक भूमिका निभाते हुए न केवल अंतिम कीमती विकट लिए बल्कि पूरे मैच में नौ विकेट लेने के कारण 'मैन ऑफ द मैच' भी बने। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा ने भी दोनों पारियों में चार–चार विकेट लेकर अपने नाम के अनुरूप प्रसिद्धि हासिल की। ओवल मैच में यशस्वी जायसवाल,आकाशदीप, रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन के बल्लों से निकले रन भी इस जीत में खूब काम आए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारतीय टीम ने यह भी साबित किया कि वह विदेशी धरती में, विषम परिस्थितियों में व नामचीन खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में जीत की इबारत लिख सकती है। लगता है जूझते हुए आसन्न हार को जीत में बदलने का हुनर भी टीम ने सीख लिया। जीत के जुनून को हर समय महसूस किया गया। संयुक्त रूप से मैन ऑफ द सीरीज बने शुभमन गिल के बल्ले से खूब रन बरसे। वे इस शृंखला में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बने। यदि वे बीस रन और बना पाते तो एक शृंखला में सबसे ज्यादा रन बनाने के सुनील गावस्कर के रिकॉर्ड को तोड़ सकते थे। वहीं शृंखला में मोहम्मद सिराज नये सितारे बनकर उभरे और उन्होंने सिरीज में सबसे ज्यादा 23 विकेट लिए। निस्संदेह, यह रोमाचक शृंखला टेस्ट क्रिकेट के 148 साल के इतिहास में एक बेहतरीन शृंखला रही। पांचों टेस्ट मैचों में भारतीय टीम जीत के लिये जूझती नजर आई। शुभमन गिल कहीं से नहीं लगे कि वे एक नये कप्तान हैं। वे विराट कोहली और रोहित शर्मा के शानदार विकल्प के रूप में सामने आए हैं। भले ही भारत ने छह रन से ओवल टेस्ट जीता हो मगर यह इतिहास में एक बड़ी जीत के रूप में दर्ज की जाएगी।

पंजाब में चिंता बढ़ाते भूजल संकट के संकेत

मंजित

पंजाब में कृषि बजट बढ़ाने के बावजूद इस क्षेत्र की पीड़ाएं कम नहीं हुईं। वजह, भूजल संकट लगातार बदतर होना है। हर साल जमीन से 28 मिलियन एकड़ फुट पानी निकलता है, जबकि भरपाई सिर्फ 17 मिलियन एकड़ फुट की हो पाती है। भूजल स्तर सालाना करीब आधा मीटर की खतरनाक दर से गिर रहा है। इसकी वजह ऊर्जा–पानी–खाद्य' दुष्चक्र है। समाधान देर से धान रोपाई, विविधीकरण व व्यापक भूजल पुनर्भरण नीति है। पंजाब के सामने बहुत भारी भूजल

संकट मुंह बाये खड़ा है, जिससे इसकी सभ्यता की सततता को ही खतरा बन चला है। केंद्रीय भूजल बोर्ड की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब में उपयोग करने योग्य भूजल की आखिरी बूंद भी अगले 14 वर्षों में समाप्त हो जाएगी। वर्तमान राजनीतिक कार्यपालिका, योजनाकारों और नागरिक समाज का कर्तव्य है कि वे सुनिश्चित करें कि भूजल न केवल दुनिया के इस क्षेत्र की वर्तमान पीढ़ी के लिए बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए भी कायम रहे। वैज्ञानिक डाटा से पता चलता है कि पंजाब हर साल धरती के गर्भ से 28 मिलियन एकड़ फुट पानी निकाल रहा है, जबकि वर्षा और इसकी तीन बारहमासी नदियों के माध्यम से भरपाई केवल 17 मिलियन एकड़ फुट की हो पाती है। इस असंतुलन के कारण भूजल स्तर प्रति वर्ष लगभग आधा मीटर की खतरनाक दर से और नीचे गिरता जा रहा है, जिसके चलते पंजाब रेगिस्तान बनने के करीब है। इस अत्यधिक दोहन के सबसे मुख्य कारणों में से एक है पंजाब में 'ऊर्जा–पानी–खाद्य' रूपी दुष्चक्र। चूंकि सरकार किसानों को अनाज उगाने के वास्ते पानी निकालने के लिए मुफ्त में पॉवर उपलब्ध कराती है, खासकर धान के लिए, इसलिए इससे पहले कि पंजाब बंजर और नकारा भूमि में तब्दील हो जाए,इस संकट को दूर करने को व्यावहारिक उपाय करना एक अतिरिक्त जिम्मेदारी बन जाती है। इसके अलावा, यह उल्लेख करना भी जरूरी है कि न केवल भूजल बहुत तेजी से गिर रहा है, बल्कि धरती की गहरी परतों से निकाले जा रहे पानी में भारी धातुएं और नाइट्रेट की मात्रा भी खतरनाक स्तर की होती है, जो इसे मनुष्यों और जानवरों के इस्तेमाल के अनुपयुक्त बनाते हैं। इसलिए, सही समय है कि सरकार स्थिति सुधारने के लिए तत्काल और जरूरी उपाय करे। वैज्ञानिक मानसून के आगमन के साथ धान की रोपाई करने की सलाह देते हैं, लेकिन वास्तविक स्थिति को ध्यान में रखते हुए, सरकार को 20 जून से चरणबद्ध रोपाई कार्यक्रम लागू करवाना चाहिए। इसकी कई वजहें हैं जैसे किसान अब मुख्यतः कम अवधि वाली धान की किस्मों की खेती कर रहे हैं, जो 90–100 दिन में पककर तैयार होती हैं, जबकि 2009 से पहले लंबी अवधि वाली किस्मों की खेती की जाती थी, जो 130–140 दिन में तैयार होती थी। वहीं पंजाब देश का पहला राज्य था, जिसने 2008 में भूजल बचाने और संरक्षित करने के उद्देश्य से धान बुआई की तिथि विनियमित करने के लिए प्रगतिशील कानून बनाया था जिसके तहत धान रोपाई की तिथि 10 जून तय की गई थी, जिसे 2014 में आगे बढ़ाकर 15 जून कर दिया गया और तबसे तिथियों में मामूली हेरफेर के साथ यह तारीख जारी है। पिछले 17 वर्षों में किसान अपनी खरीफ फसलों के उत्पादन का 'पंजाब भू–मृदा जल संरक्षण अधिनियम 2009' नामक इस कानून के मुताबिक समायोजन करके करते आए हैं। पंजाब कृषि विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, 2009 से पहले भूजल स्तर में वार्षिक गिरावट 75 सेमी. थी, जो अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन के कारण बाद वाली अवधि में घटकर 40 सेमी. रह गई। रिपोर्टों के अनुसार, पंजाब के तीनों जलाशयों – भाखड़ा बांध, रणजीत सागर बांध और पोंग बांध – में जल स्तर पिछले वर्षों की तुलना में सामान्य से 52 फीसदी कम रहा। पंजाब को धान की खेती के लिए प्रमुख तौर पर इन जलाशयों से लगभग 14.50 एमएएफ पानी मिलता है। इस बार गर्मी के मौसम में सिंचाई के लिए नहरी पानी कम उपलब्ध होने के अनुमान थे, ऐसे में धान की फसल के लिए भूजल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। एक किलो धान पैदा करने के लिए लगभग 4000 लीटर पानी की आवश्यकता होती है, इसलिए किसान नहरी पानी की आपूर्ति में कमी को भूजल निकालकर पूरा करता है। सामान्य से अधिक तापमान और लू लंबी चलने का पूर्वानुमान हो, तो जून या उससे पहले रोपे गए धान को गर्मी के प्रभाव से बचाने के लिए बहुत अधिक पानी की आवश्यकता होती है। अतएव धान की रोपाई को जून के आखिरी सप्ताह (मानसून के आगमन के करीब तक) टालना बेहतर है। जून के अंत में रोपा गया धान अक्तूबर की शुरुआत में पक जाता है, इस समय कटाई के लिए परिस्थितियां अनुकूल होती हैं। जबकि अगेती रोपाई करने से सितंबर के महीने में, मानसून के अंतिम चरण में कटाई करनी पड़ती है, जिससे धान के दाने बारिश, तेज हवाओं और उच्च आर्द्रता के संपर्क में आते हैं। परिणामस्वरूप किसानों को नमी युक्त धान बेचने संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वैसे भी केंद्र सरकार ने धान खरीद का संचालन एक अक्तूबर से ही अनिवार्य कर दिया है। दरअसल, पूसा 44 किस्म और इसकी विभिन्न वैरायटी (पीली पूसा और डोगर पूसा) न केवल अपनी लंबी अवधि के कारण पानी की अधिक खपत करती हैं, बल्कि भारी मात्रा में पराली पैदा करने के कारण प्रदूषण भी बढ़ाने वाली हैं। पंजाब सरकार को किसानों को पहले से सलाह देकर और राज्य खरीद एजेंसियों को उपरोक्त किस्म के अनाज की खरीद न करने का निर्देश देकर इसकी खेती पर प्रतिबंध लगा देना चाहिए। पंजाब हर साल अपनी रिचार्ज जल राशि से लगभग 11 एमएएफ अधिक भूजल निकाल रहा है, जिसकी गैरटिकाऊ निकासी दर 165 फीसदी है, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सुरक्षित सीमा 75 प्रतिशत है। इसलिए, राज्य को मानक निकासी दर से अधिक निकाले जल की पुनःपूर्ति बढ़ाने के लिए व्यापक भूजल पुनर्भरण नीति तैयार और लागू करनी चाहिए। सक्रिय सार्वजनिक भागीदारी के साथ कृत्रिम व प्राकृतिक पुनर्भरण तकनीकों के संयोजन को लागू करना चाहिए। फसल विविधीकरण को बढ़ावा दिया जाए। पंजाब में खरीफ सीजन में कभी कपास और मक्का प्रमुख फसलें होती थीं। हालांकि, इन फसलों के प्रतिकूल उत्पादन और खरीद व्यवस्था ने किसानों को धान की ओर रुख करने के लिए मजबूर किया, जिसके उत्पादन में जोखिम न केवल कम है, बल्कि न्यूनतम समर्थन मूल्य और मंडी में उठाए जाने की भी गारंटी है।

प्यार के खुमार में उलझे संपत्ति के अधिकार

कमल

लिव–इन रिलेशनशिप में रिश्तों के टूटने पर संपत्ति के बंटवारे से जुड़ी कई चुनौतियां सामने आती हैं, जैसे कि संयुक्त संपत्ति का अभाव और वित्तीय योगदान साबित करने में मुश्किल। अक्सर पार्टनर संपत्ति अलग–अलग खरीदते हैं या एक कमाता है और दूसरा घर चलाता है, जिससे यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि कौन सी संपत्ति किसकी है। भारत में लिव–इन रिलेशनशिप एक जटिल सामाजिक वास्तविकता बन गई है, जो व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पसंद का प्रतीक तो है, लेकिन इसके कानूनी दायरे, खासकर संपत्ति के अधिकारों को लेकर, अक्सर भ्रम की स्थिति बनी रहती है। पारंपरिक विवाह के इतर इस रिश्ते में रहने वाले भागीदारों के लिए संपत्ति का अधिकार अक्सर एक अंधकारमय गलियारे जैसा होता है, जहां न्याय की राह आसान नहीं, क्योंकि सामाजिक मानदंडों में बदलाव और व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर बढ़ते जोर के साथ, यह व्यवस्था अब महानगरों तक ही सीमित नहीं रही है, बल्कि छोटे शहरों और कस्बों में भी इसका प्रचलन बढ़ रहा है। हालांकि, इस बढ़ती प्रवृत्ति के साथ कई कानूनी और सामाजिक चुनौतियां भी सामने आ रही हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है लिव–इन रिलेशनशिप में रहने वाले पार्टनर्स के संपत्ति के अधिकार का मुद्दा, जो एक ऐसा क्षेत्र है जहां स्पष्ट कानूनी ढांचे की कमी के कारण अक्सर जटिल समस्याएं उत्पन्न होती हैं। लिव–इन रिलेशनशिप में रिश्तों के टूटने पर संपत्ति के बंटवारे से जुड़ी कई चुनौतियां सामने आती हैं, जैसे कि संयुक्त संपत्ति का अभाव और वित्तीय योगदान साबित करने में मुश्किल। अक्सर पार्टनर संपत्ति अलग–अलग खरीदते हैं या एक कमाता है और दूसरा घर चलाता है, जिससे यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि कौन सी संपत्ति किसकी है। भावनात्मक और सामाजिक दबाव भी महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए लड़ने से रोकता है। उत्तराधिकार का मुद्दा भी एक बड़ी समस्या है, क्योंकि वसीयत न होने पर लिव–इन पार्टनर का संपत्ति में अधिकार जताना असंभव हो जाता है। हमारे देश में लिव–इन रिलेशनशिप को लेकर कोई स्पष्ट और व्यापक कानून मौजूद नहीं है, जिसके कारण ऐसे रिश्तों में संपत्ति के अधिकारों पर अक्सर अस्पष्टता बनी रहती है। यद्यपि सर्वोच्च न्यायालय ने विभिन्न फैसलों में इसे 'विवाह जैसी प्रकृति का रिश्ता' माना है, खासकर घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण अधिनियम, 2005 के तहत गुजारा भत्ता के मामलों में। फिर भी संपत्ति के बंटवारे या विरासत को लेकर कोई ठोस कानूनी दिशानिर्देश स्थापित नहीं किए गए हैं। भारतीय कानून पारंपरिक रूप से विवाह–आधारित संबंधों को मान्यता देता है, जहां पति–पत्नी के संपत्ति के अधिकार स्पष्ट रूप से परिभाषित हैं। इस कानूनी अस्पष्टता का सीधा अर्थ यह है कि यदि एक लिव–इन पार्टनर की मृत्यु हो जाती है, या रिश्ता टूट जाता है, तो संयुक्त रूप से अर्जित संपत्ति के बंटवारे या विरासत को लेकर विवाद उठना तय है, जिससे अक्सर महिला साथी को खमियाजा भुगतना पड़ता है। वे अपनी कमाई या रिश्ते में किए गए योगदान का कानूनी प्रमाण पेश करने में कमजोर स्थिति में होती हैं। यह कानूनी लड़ाई लंबी और महंगी साबित होती है, जिसमें न्याय मिलना मुश्किल हो जाता है। भारतीय न्यायपालिका ने विभिन्न फैसलों के माध्यम से लिव–इन रिलेशनशिप में रहने वाले पार्टनर्स के अधिकारों, खासकर संपत्ति के संदर्भ में, को परिभाषित किया है। एस. खुशबू बनाम कन्नियाम्मल (2010) मामले ने लिव–इन रिलेशनशिप की कानूनी वैधता को स्थापित करते हुए इसे जीवन के अधिकार का हिस्सा माना। डी. वेलुसामी बनाम डी. पचईअम्मल (2010) में सर्वोच्च न्यायालय ने 'विवाह जैसे रिश्ते' की अवधारणा को उजागर किया,।

..... विविध .....

बहना के पसंदीदा उपहार में खुशी के साथ झलके प्यार

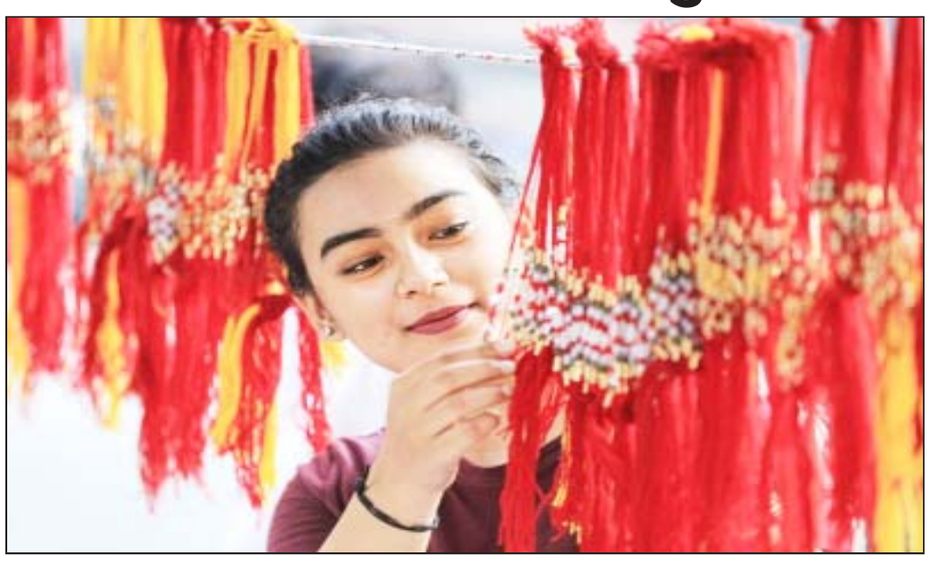

रक्षाबंधन भाई के बहन के प्रति स्नेह को सेलिब्रेट करने का पर्व है। यह अवसर जीवन के हर मोर्चे पर बहन की केयर यानी रक्षा करने के संकल्प का है। तो जब इस बार बहन आपकी कलाई पर राखी बांधेगी तो पहले ही उसके गिफ्ट का चुनाव कर लें। जो उसकी रुचि व पर्सनैलिटी के अनुकूल हो, ट्रेंडी हो व उसके लिए उपयोगी भी हो। इस साल रक्षाबंधन के मौके पर जब आप अपनी बहना को अगर गिफ्ट देने के बारे में सोचें तो उसकी पर्सनैलिटी और इंटेरेस्ट का ख्याल रखें तथा उसी से मेल खाता हुआ तोहफा दें, तो उसे पसंद भी आयेगा और उसे खुशी भी होगी। आज के मॉडर्न जमाने में युवा भाइयों के लिए अपनी मॉडर्न युवा बहन के लिए कुछ ट्रेंडी और उपयोगी गिफ्ट देना बनता है, जो उसकी पर्सनैलिटी और इंटेरेस्ट से मेल खाते होंगे। इन्हें पाकर सचमुच आपकी बहन को अच्छा लगेगा, तो जानिये कि अपनी टेक सेवी बहन के लिए इस रक्षाबंधन में क्या गिफ्ट दें?

स्मार्ट गिफ्ट

स्मार्ट गिफ्ट की रेंज यूं तो बहुत लंबी हो सकती है। फिर भी अगर कुछ कॉमन स्मार्ट गिफ्ट की बात करें तो इस रक्षाबंधन में आप अपनी बहन को एक स्मार्ट वॉच या फिटनेस बैंड गिफ्ट कर सकते हैं, जो उसे हेल्थ के प्रति कॉन्शस भी रखेगी और इससे वह स्टाइलिश भी दिखेगी। दूसरे नंबर पर मॉडर्न ईयर बड या ब्लू टुथ हैडफोन भी स्मार्ट गिफ्ट का अच्छा विकल्प हो सकते हैं। आजकल म्यूजिक और कॉलिंग के लिए ईयर बड और ब्लू टुथ हैडफोन की खूब जरूरत पड़ती है। एक और स्मार्ट गिफ्ट का अच्छा विकल्प हो सकता है– पोर्टेबल स्किन केयर डिवाइसेस। जैसे एलईडी फेस मास्क, फेस रोलर आदि। इसके अलावा जब आप बाजार में जाएंगे तो आपको दर्जनों स्मार्ट गिफ्ट के विकल्प दिखेंगे। वहां अपनी बहन की पर्सनैलिटी को ध्यान में रखते हुए कोई अच्छा गिफ्ट चुन सकते हैं।

सेल्फ केयर व ब्यूटी गिफ्ट्स

लग्जरी स्किन केयर और मेकअप किट जैसे सेल्फ केयर गिफ्ट भी इस रक्षाबंधन में अपनी मॉडर्न बहन को देने के लिए पसंदीदा गिफ्ट हो सकता है। इसके लिए उसके पसंदीदा ब्रांड को पूछें या पता लगाएं और उसी के अनुरूप उसके लिए असेंशियल लग्जरी स्किन केयर और मेकअप किट खरीद लें। स्पा बाउचर या सैलून पैकेज भी अच्छे गिफ्ट्स में आते हैं। यह एक रिलैक्सेसिंग एक्सपीरियंस होगा। कोई बेहतर पर्सनलाइज्ड परफ्यूम, बॉडी मिस्ट उसके नाम के साथ कस्टमाइज्ड कराकर अपनी बहन को खुशी से चौंका सकते हैं।

पर्सनल क्रिएटिव गिफ्ट

इन दिनों मिनिमलिस्ट ज्वैलरी ट्रेंड में है, इसलिए चाहें तो उसके नाम वाला एक नेकलेस या ब्रैसलेट भी लिया जा सकता है। अगर ये चीजें उसके पसंद के दायरे में आती हैं। नाम वाला नेकलेस या ब्रैसलेट बहुत पर्सनल और क्रिएटिव लुक देता है।

कस्टमाइज्ड स्कैच व पॉट्रेट फ्रेम

हालांकि अब एआई के कई प्रोग्राम बहुत आसानी से और बहुत आकर्षक कस्टमाइज्ड स्कैच पलक झपकते तैयार कर देते हैं। पर अपना कस्टमाइज्ड पोज हर किसी को खूब आकर्षित करता है। इसलिए अगर एआई की बजाय बाजार में तेजी से तस्वीर देकर मैनुअली अपनी सिस्टर का कस्टमाइज्ड स्कैच तैयार करके उसे देंगे तो उसे बहुत अच्छा लगेगा। अपने बचपन की फोटो के साथ अगर उसे एक पोट्रेट फ्रेम गिफ्ट करेंगे तो यह भी उसे इमोशनली खुश कर देगा। कोई हैंड रिटन लेटर या मैमोरी चार्ट जो भाई–बहन के लम्हों को समेटे हो, ये भी ऐसे स्मार्ट और इमोशनल गिफ्ट्स हैं, जो आपके रक्षाबंधन को खुशी से भर देंगे।

कैरियर और फैशन सपोर्ट गिफ्ट

किसी ऑनलाइन कोर्स का सब्सक्रिप्शन जैसे कोरसेरा, स्किल शेयर (डिजाइन, फोटोग्राफी, म्यूजिक आदि) से भी अपनी हमउम्र बहन को खुश कर सकते हैं। कोई बुक सेट या किंडर भी गिफ्ट कर सकते हैं, अगर उसे पढ़ने का शौक हो। डायरी और हाई–एंड–स्टेशनरी।

फैशन और स्टाइल

अगर आपकी सिस्टर फैशनेबल है, तो उसे इस मौके पर कोई ब्रांडेड बैग या क्लच दे सकते हैं। अगर उसे ट्रेंडी फुटवियर पसंद हों तो इस मौके पर स्नीकर्स या हिल्स भी दे सकते हैं। पर्सनलाइज्ड स्कार्फध्स्टोल का भी आइडिया बुरा नहीं है, इंस्टाग्राम स्टाइल में।

यादगार पल भी बढ़िया गिफ्ट

जी हां, बहन का कोई पसंदीदा बैंड शहर में परफॉर्म कर रहा हो या उसका कोई पसंदीदा प्ले चल रहा हो, तो थियेटर या कंसर्ट की टिकेट्स गिफ्ट करना भी अच्छा आइडिया है और अगर आप दोनों कहीं घूमने का प्लान बना सकें तो वीकेंड ट्रिप प्लान भी इस मौके का बढ़िया गिफ्ट है। अगर आपकी बहन को कुकिंग या पेंटिंग आदि में कुछ नया सीखने का शौक हो तो कुकिंग या पेंटिंग वर्कशॉप का गिफ्ट कार्ड दिया जा सकता है।

फाइनेंशियल गिफ्ट

रक्षाबंधन के अवसर पर अपनी हमउम्र बहन के नाम पर कोई एसआईपी या गोल्ड बांड इन्वेस्ट कर सकते हैं। अगर आप चाहते हों कि बहन जल्द ही फाइनेंशियल इंडिपेंडेंट हो जाए तो उसे कुछ चमकदार शेयर या म्युच्युअल फंड में पहला निवेश करके दे सकते हैं। इनके अलावा बाजार में दूसरे सैकड़ों गिफ्ट भी विकल्प के तौरपर मौजूद हैं। इसलिए जाएं बाजार घूमें और जिस गिफ्ट से आपकी बहन अधिक

राखी के साथ जायका स्नेहिल मिठास का

त्योहार पर मिठाई संबंधों में मिठास का प्रतीक मानी जाती है। रक्षाबंधन के अवसर पर परंपरा है कि बहन अपने भाई को राखी बांधने के बाद कुछ मीठा जरूर खिलाती है। आजकल बाजार में स्वीट्स की भरमार है लेकिन गुणवत्ता यकीनी नहीं। तो घर में ही कोई रेसिपी क्यों न आजमायी जाये। यूं भी बहन अपने हाथ से स्वादिष्ट व्यंजन बनाकर खिलाए तो जायके के साथ खुशियां भी बढ़ जाती हैं। भाई–बहन के अमिट प्रेम के त्योहार रक्षाबंधन का उत्सव हो और घर में मिठाई न बने, ऐसा हो ही नहीं सकता। तो भाई के लिए बाजार से स्वीट्स की बजाए घर पर ही स्वादिष्ट मिठाई और कुछ चटपटा और जायकेदार बनाएं। कम चीजों से आप इसे बना सकती हैं। इससे पर्व का आनंद और बढ़ जाएगा। राखी का पर्व 9 अगस्त को होगा, इससे एक दिन पहले ही मिठाई बनाकर रख सकती हैं। तो जानिये स्वादिष्ट और घर में बन जाने वाली मिठाइयों की कुछ रेसिपी.

...

नारियल बर्फी

कैसे बनाएं एक पैन में घी और खोया डालें। खोए को नॉर्मल होने तक भूनें। फिर इसे आंच से उतार लें और ठंडा होने दें। इसमें नारियल मिलाएं और रख दें। एक दूसरे पैन को गर्म करें इसमें पानी के साथ चीनी डालकर धीमी आंच पर रखें। इसे तब तक चलाएं, जब तक चीनी पानी में न घुल जाए। तेज आंच पर पकाएं ताकि यह गाढ़ा हो जाए। इसे तुरंत ही खोया के मिश्रण में डालकर मिला लें, इसे लगातार मिक्स करें। आप जैसे ही मिक्स करेंगे यह मिश्रण सेट होने लगेगा इसलिए जितना हो सके उतना जल्दी करें। अब इस मिश्रण को घी लगी प्लेट में पलटें। थोड़ी मोटी लेयर रहने दें और इसे ठंडा होकर सेट होने दें। मनचाहे आकार में बर्फी के पीस काटकर सर्व कर सकते हैं।

केसरिया खीर

क्या चाहिए – बासमती टुकड़ा चावल भीगे हुए (कप, चीनी 100 ग्राम, किशमिश 2 टेबल स्पून, बादाम 10 से 12, काजू–10 से 12 (दोनों कटे हुए), इलाइची 5, केसर के धागे– 20 से 30 और दूध 1 लीटर। कैसे बनाएं रू पहले टुकड़ा चावल को धोकर आधे घंटे पानी में भिगो दीजिए। फिर एक बड़े बर्तन में दूध उबलने रख दीजिए। साथ ही थोड़ा सा दूध निकालकर केसर के धागे में डालकर मिक्स कर दीजिए। केसर अपना रंग छोड़ देगा। इसी बीच प्रत्येक काजू–बादाम को 5 से 7 टुकड़े करते हुए काट लीजिए। इलाइची के दानों को पीसकर पाउडर बना लें। दूध में उबाल आने पर भीगे चावल डालकर मिला दीजिए। इसे 1–2 मिनिट में चलाते हुए मीडियम आग पर 10 मिनट पकाएं। दूध चावल को चलाते रहें, 10 मिनट बाद चावल फूल जाएंगे। इसमें मेवे– किशमिश, कटे काजू– बादाम डाल दीजिए। थोड़े से काजू बादाम गार्निशिंग के लिए रख दीजिए। 10 मिनट बाद, खीर के गाढ़े होने पर इसमें दूध में भिगोकर रखी केसर और इलाइची पाउडर डालें। इन्हें खीर में मिला दें और खीर को 7 मिनट और पका लें। खीर में चीनी डाल कर 1 से 2 मिनट धीमी आग पर पका लें। खीर के ऊपर मेवे डालकर गार्निश कर दीजिए। केसर राइस खीर को गरमागरम या ठंडा जैसे चाहे परोस सकते हैं।

सूजी बेसन ढोकला

क्या चाहिए 1 कप सूजी,) कप बेसन, 1 कप दही, (चम्मच हल्दी पाउडर, 1–2 बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1 चम्मच कद्दूकस किया हुआ अदरक, 3–4 चम्मच तेल, स्वादानुसार नमक, 1 चम्मच राई, 1 चम्मच तिल, कुछ करी पत्ते, 1–2 चम्मच बारीक कटा हरा धनिया।

कैसे बनाए–– सबसे पहले एक मिक्सिंग बाउल में सूजी, बेसन और दही डालें और मिलाएं। इसमें पानी डालें और फिर से मिलाकर घोल तैयार करें। कुछ देर ढककर रख दें ताकि बैटर थोड़ा गाढ़ा हो जाए। जब बैटर तैयार हो रहा हो, तब स्टीमिंग के लिए पैन तैयार कर लें। एक मोल्ड को तेल से ग्रीस कर लें और अलग रख दें। कुछ समय बाद सूजी के बैटर में बारीक कटी हरी मिर्च और कद्दूकस किया अदरक मिलाएं। अब इसमें इनो या फ्रूट सॉल्ट डालकर मिलाएं ताकि बैटर फूला–फूला और नरम हो सके। बैटर को तेजी से चलाएं ताकि इनो पूरी तरह से मिश्रित हो जाए। तैयार बैटर को ग्रीस किए हुए मोल्ड में डालें और स्टीमर में 15–20 मिनट पकाएं। एक नॉन–स्टिक पैन में बचा हुआ तेल गरम करें। उसमें राई, तिल और करी पत्ते डालकर भूनें। अब तैयार ढोकले को पैन में डालें और हल्का सा भूनें। ऊपर से हरा धनिया छिड़कें और आंच बंद कर दें। गरमा–गरम सूजी बेसन का ढोकला धनिया चटनी के साथ परोसें।

दूध पेड़ा रेसिपी

क्या चाहिए – दूध 1 लीटर, चीनी 1 कप, इलायची पाउडर एक चुटकी, केसर एक चुटकी, पिस्ता, बादाम बारीक कटा हुआ ।

कैसे बनाएं – एक मोटे तले वाले पैन में दूध डालें और धीमी आंच पर गर्म करें। चलाते हुए दूध को गाढ़ा होने दें। फिर चीनी मिलाएं। लगातार चलाते हुए चीनी को पूरी तरह से घोल लें। इसके बाद इसमें इलायची पाउडर और केसर मिलाएं। इस मिश्रण को थोड़ा ठंडा होने दें, फिर छोटे–छोटे पेड़ों का आकार दें। चाहें तो पेड़ों को पिस्ता या बादाम से सजा सकते हैं। पेड़ों को एक प्लेट में रख सेट होने दें। आप इन्हें कंटेनर में स्टोर कर सकते हैं।

उत्पीड़न पर बारिश के बीच बिजली कर्मियों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने सोमवार को प्रदेशभर में विरोध प्रदर्शन किया। बिजली कर्मियों पर हुई उत्पीड़नात्मक कार्रवाई की निंदा करते हुए आक्रोश जाताया। संकल्प लिया कि निजीकरण प्रस्ताव रद्द होने तक आंदोलन जारी रहेगा। समिति के पदाधिकारियों का आरोप है कि निजीकरण का विरोध करने पर बिजली कर्मियों के खिलाफ लगातार उत्पीड़नात्मक कार्रवाई की जा रही है। 55 साल की उम्र का हवाला देते हुए संविदाकर्मियों को हटाया जा रहा है। बिजलीकर्मियों को दो से 400 किमी दूर तबादले किए जा रहे हैं। फेसियल अटेंडेंस के नाम पर जून और जुलाई माह का वेतन और मानदेय अभी तक नहीं दिया गया है। उत्पीड़न के नाम पर विजिलेंस की जांच कराकर शीर्ष पदाधिकारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है। प्रदर्शन के दौरान उन्होंने मांग की उत्पीड़नात्मक कार्रवाई तत्काल रद्द की जाए।

बारिश के बीच चला प्रदर्शन

लखनऊ में मध्यांचल मुख्यालय पर भारी बारिश के बीच बिजली कर्मियों ने विरोध प्रदर्शन जारी रखा। केन्द्रीय पदाधिकारियों ने कहा कि शीर्ष प्रबंधन की निजी घरानों के साथ मिलीभगत है। आठ माह से निजीकरण न कर पाने के कारण हताश प्रबंधन बिजली कर्मियों का लगातार उत्पीड़न कर रहा है।

रख लिया किसी को, मामले में हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीएमई) का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। हाईकोर्ट ने पूछा है कि अपर निदेशक और संयुक्त निदेशक की नियुक्ति किस नियमावली के तहत की गई है। इन दोनों पदों को अभी तक क्यों नहीं भरा गया? महानिदेशालय में अपर निदेशक और संयुक्त निदेशक का पद लंबे समय से खाली रहा। 30 मई को संयुक्त निदेशक पद पर डॉ. गुलजारी लाल निगम और डॉ. सचिन कुमार की नियुक्ति का आदेश जारी किया गया। इन दोनों ने संयुक्त निदेशक पद के लिए आवेदन ही नहीं किया था। डॉ. गुलजारी लाल ने अपर निदेशक पद के लिए आवेदन किया था। इस पूरे मामले का अमर उजाला ने खुलासा किया। जिसने आवेदन ही नहीं किया उनको नियुक्त कर दिया गया

इस प्रकरण को लेकर डॉ. रितेश कुमार राय ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। राज्य सरकार और चिकित्सा शिक्षा विभाग को वादी बनाया। अपर निदेशक और संयुक्त निदेशकों की नियुक्ति को नियमों के विपरीत बताते हुए न्याय की गुहार लगाई। बताया कि संयुक्त निदेशक पद के लिए उन्होंने भी आवेदन किया था। लेकिन, नियमों के विपरीत जिसने आवेदन ही नहीं किया उनको नियुक्त कर दिया गया।

प्रदेश के 44 जिलों में आज फिर भारी बारिश की चेतावनी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के तराई और पूर्वांचल के इलाकों में घनघोर बारिश का सिलसिला जारी है। कई जिलों में जलभराव और बाढ़ जैसे हालात हैं। सोमवार को रायबरेली में सर्वाधिक 202 मिमी और बदायूं में 190 मिमी बारिश दर्ज किया गया। इसी तरह अयोध्या में 151 मिमी, बाराबंकी में 140 मिमी, संभल में 122 मिमी बारिश हुई। मौसम विभाग की ओर से मंगलवार के लिए प्रदेश के तराई इलाकों के 19 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट और 25 अन्य जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट है। 44 जिलों में गरज चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की आशंका जताई गई है।आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक मंगलवार को पूर्वी तराई इलाकों में भारी मानसूनी बारिश के संकेत हैं। बुधवार से बारिश की तीव्रता में गिरावट आएगी। बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, मेरठ, कासगंज, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं व आसपास के इलाकों में। गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, बागपत, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, एटा, मैनपुरी व आसपास के इलाकों में।

राजधानी में अगस्त की बारिश ने तोड़ा 6 वर्ष का रिकॉर्ड

राजधानी में मानसून के बादलों ने अगस्त में बारिश का छह साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा है। सोमवार को लखनऊ में 91 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके पहले वर्ष 2018 में 3 अगस्त को 114.3 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई थी। 2018 के बाद अगस्त में किसी भी वर्ष एक दिन में बारिश का आंकड़ा 91 मिमी के पास तक भी नहीं गया। लगातार धीमी गति की बारिश से तापमान में भी खासी गिरावट दर्ज की गई है। 48 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान 5.7 डिग्री लुढ़क चुका है। न्यूनतम तापमान में भी 2.7 डिग्री की गिरावट आई। इसी का असर था कि सोमवार को भोर में लोगों को एसी–कूलर के साथ पंखे भी बंद करने पड रविवार से बादल ज्यादा सक्रिय हैं। सोमवार शाम तक कभी हल्की तो कभी तेज बारिश होती रही। इसका असर जनजीवन पर भी पड़ा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र अमौसी के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक राजधानी क्षेत्र में बादलों की सक्रियता मंगलवार को भी बने रहने की उम्मीद है। उत्तर प्रदेश में भी गंगा समेत सभी प्रमुख नदियों का जल स्तर बढ़ रहा है।

दो से तीन हजार स्कूलों का विलय होगा निरस्त, सबसे ज्यादा मामले अंबेडकरनगर में

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में एक किलोमीटर से ज्यादा दूरी वाले और 50 से ज्यादा संख्या वाले स्कूलों का विलय (पेयरिंग) निरस्त करने की प्रक्रिया तेज जो गई है। इस नियम के तहत कई जिलों में काफी संख्या में विद्यालयों का विलय निरस्त किया जा रहा है। बेसिक शिक्षा विभाग के अनुसार लगभग दो से तीन हजार विद्यालयों का विलय निरस्त होगा। इसमें सर्वाधिक संख्या एक किलोमीटर से ज्यादा दूरी वाले विद्यालयों की है। प्रदेश में पिछले एक महीने से ज्यादा से परिषदीय विद्यालयों के विलय की प्रक्रिया चल रही है। इसमें स्थानीय अधिकारियों की ओर से काफी मनमानी के मामले सामने आए। इसकी शिकायत व विरोध–प्रदर्शन बढ़ने पर विभाग ने एक किलोमीटर से ज्यादा दूरी वाले और 50 से ज्यादा नामांकन वाले विद्यालयों का विलय निरस्त करने के निर्देश दिए। इसकी प्रक्रिया एक सप्ताह में पूरी करने को भी कहा गया है। इसके बाद जब जिलों में कार्यवाही शुरू हुई तो पता चला कि विद्यालयों के विलय में किस तरह मनमानी की गई है।

इन जिलों में ज्यादा मामले

अब तक मिली जानकारी के अनुसार ललितपुर में 12, गोरखपुर में 31, चित्रकूट में 40, अम्बेडकरनगर में 154 विद्यालयों का विलय निरस्त किया गया है। एक अनुमान के मुताबिक हर जिले में लगभग 20–25 व कुछ जगह पर और ज्यादा संख्या में विद्यालयों का विलय निरस्त किया जा रहा है। ऐसे में यह संख्या प्रदेश भर में दो से तीन हजार तक होने की संभावना है। वहीं रविवार को समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मानक के अनुरूप ही स्कूलों की पेयरिंग करने और इसमें अनियमितता बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। सीएम के निर्देश के बाद विभाग की ओर से इसमें लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर कार्यवाही की भी तैयारी शुरू कर दी गई है। इसके लिए सोमवार को निदेशालय स्तर पर समीक्षा भी की गई है। माना जा रहा है कि जल्द ही इसे लेकर कार्यवाही होगी।

संक्षिप्त खबरें

अवध बस स्टेशन पर डग्गामारी के विरोध में रोडवेजकर्मियों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में अवध बस स्टेशन पर डग्गामारी के विरोध में मंगलवार को रोडवेजकर्मियों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान बसों का संचालन रोक दिया गया। इससे यात्रियों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। प्रदर्शन कर रहे चालक धर्मेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि यदि परिवहन निगम के तय मानक के अनुसार हम लोग पैसे जमा नहीं कर पाते हैं, तो हमारी सैलरी से तीन हजार रुपये काट लिए जाते हैं। दूसरी तरफ रूट पर डग्गामार वाहन बेधड़क दौड़ रहे हैं। उन पर कोई रोक नहीं लगाई जा रही है। निर्धारित पैसा कमाकर जमा करने के लिए सिर्फ हम लोगों पर दबाव बनाया जाता है।

स्वदेशी अपनाने का लिया संकल्प

लखनऊ, (संवाददाता)। सिंधी समाज ने भगवान झूलेलाल के चालीहा साहिब महोत्सव में सोमवार को पूजन किया और भोग लगाकर प्रसाद बांटा। कृष्णानगर में सिंधी पंचायत ने स्वदेशी को अपनाने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री की अपील पर सिंधी समाज के लोगों ने 'विदेशी छोड़ो, स्वदेशी अपनाओ' का नारा बुलंद किया। सिंधु सभा के अध्यक्ष अशोक मोतियानी, सिंधी पंचायत कृष्णानगर के अध्यक्ष अशोक चांदवानी, महामंत्री महेश तलरेजा, कोषाध्यक्ष नीरज राजपाल, लाल चंद मंजर, दिनेश रायचंदानी ने संकल्प दिलाया कि हमारा समाज प्रधानमंत्री की अपील पर अमल करेगा। राजाजीपुरम स्थित झूलेलाल मंदिर के प्रमुख संजय जसवानी ने पूजा के बाद समाज को विदेशी वस्तुओं को त्याग करने का संकल्प दिलाया। अशोक मोतियानी ने बताया कि सिंधी समाज में ज्यादातर कारोबारी हैं। इनसे अपील की जा रही है कि विदेशी सामान न खरीदेंगे और न ही बेचेंगे। सिंधुनगर सिंधी पंचायत के अलावा इंदिरानगर सिंधी मंदिर, शिव शांति आश्रम में भी चालीहा साहिब महोत्सव मनाया गया। महिलाओं ने भगवान झूलेलाल के गीत गाए और भंगड़ा किया। चेट्टी चंद मेला कमेटी के पदाधिकारियों ने स्वदेशी अपनाने पर जोर दिया। अध्यक्ष रतन मेघानी, संरक्षक अशोक चांदवानी, महामंत्री संजय जसवानी, कोषाध्यक्ष सतेंद्र भवनानी, पटेल हिरवानी ने विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करने की अपील की।

लखनऊ नगर निगम जलकल विभाग में सेवानिवृत्त 9 कर्मचारियों को भावभीनी विदाई

लखनऊ(आरएनएस)। नगर निगम लखनऊ के जलकल विभाग में वर्षों तक अपनी सेवाएं देने वाले नौ कर्मठ कर्मचारियों को 31 जुलाई को सेवानिवृत्त होने के उपरांत सोमवार को जलकल मुख्यालय में एक गरिमापूर्ण समारोह में सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। समारोह में महापौर सुषमा खर्कवाल ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र भेंटकर उनके योगदान के प्रति संस्थान की ओर से आभार प्रकट किया।सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों में बिल वितरक रीता वर्मा, पंप ऑपरेटर राज कुमार, गिरीश चंद्र श्रीवास्तव, युगुल किशोर मिश्रा, योगेन्द्र नाथ राय, बसंत लाल, बिल्डर राजेन्द्र सिंह, तथा गैंगमैन राम प्रकाश सिंह और छोटे लाल शामिल हैं। ये सभी कर्मचारी नगर निगम के विभिन्न जोन में जल आपूर्ति एवं जल प्रबंधन की निर्बाध व्यवस्था में दशकों तक अपनी भूमिका निभाते रहे।

संक्षिप्त खबरें

लखनऊ नगर निगम की तत्परता से बची गाय की जान

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर निगम लखनऊ ने एक बार फिर जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए एक असामान्य और जोखिमभरी स्थिति में फंसी एक गाय की सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर जान बचाई। यह घटना अली कॉलोनी, मंजू टंडन ढाल के पास की है, जहां रहस्यमयी ढंग से एक भारी–भरकम गाय एक बहुमंजिला इमारत की चौथी मंजिल पर पहुंच गई थी। घटना ने स्थानीय लोगों में चिंता और भय का माहौल पैदा कर दिया था।सोमवार को स्थानीय पार्षद गुलशन अब्बास रिजवी को क्षेत्रवासियों ने इसकी सूचना दी। चौथी मंजिल पर एक गाय को देखकर लोग न केवल भयभीत हो गए, बल्कि कई घरों से निकलने में भी असहज महसूस करने लगे। आशंका थी कि गाय कहीं फिसलकर नीचे न गिर जाए, जिससे उसकी जान के साथ ही राहगीरों या निवासियों को भी खतरा हो सकता था।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पार्षद रिजवी ने नगर निगम के पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा को अवगत कराया। सूचना मिलते ही डॉ. वर्मा ने विशेष रूप से प्रशिक्षित कैटल कैचिंग टीम को तत्काल मौके पर रवाना किया। पूरी सतर्कता और सावधानी के साथ टीम ने गाय को रेस्क्यू किया और सुरक्षित नीचे उतारने में सफलता प्राप्त की। इस दौरान क्षेत्र में अफरा–तफरी की स्थिति नहीं बनने दी गई।रेस्क्यू के बाद गाय को नगर निगम की गौशाला भेजा गया, जहां उसकी देखभाल और चिकित्सा की व्यवस्था की गई है। इस कार्रवाई से स्थानीय नागरिकों ने राहत की सांस ली और नगर निगम टीम के प्रति सराहना व्यक्त की।पशु कल्याण अधिकारी डॉ. वर्मा ने बताया कि नगर निगम लखनऊ निराश्रित गोवंश की रक्षा, देखभाल और पुनर्वास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नगर निगम की टीम ऐसी किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई कर यह सुनिश्चित करती है कि पशुओं को समय रहते सुरक्षा और सहायता मिल सके।

बीबीएयू के डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र द्वारा डीएसीई प्रवेश साक्षात्कार की तिथि घोषित

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ के डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (व।ब्) द्वारा डीएसीई प्रवेश परीक्षा–2025 में सम्मिलित अभ्यर्थियों के लिए प्रवेश साक्षात्कार की तिथि घोषित कर दी गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार यह साक्षात्कार 6 एवं 7 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। यह प्रक्रिया मानवाधिकार विभाग, विधि अध्ययन स्कूल के तत्वावधान में संपन्न होगी।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 6 अगस्त (बुधवार) को उन अभ्यर्थियों का साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा जिनके रोल नंबर 20250001 से 20250150 के मध्य हैं। वहीं 7 अगस्त (गुरुवार) को 20250151 से 20250450 तक के रोल नंबर वाले अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया जाएगा।सभी अभ्यर्थियों को सुबह 9रू30 बजे डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र, बीबीएयू के कार्यालय में रिपोर्ट करना अनिवार्य किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि साक्षात्कार के समय अभ्यर्थियों को अपने सभी मूल प्रमाण–पत्रों के साथ उनकी एक–एक छायाप्रति भी प्रस्तुत करनी होगी।साक्षात्कार के लिए अनिवार्य दस्तावेजों में इंटरमीडिएट और स्नातक की मूल अंकतालिकाएं, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, आधार कार्ड तथा डीएसीई प्रवेश परीक्षा का प्रवेश पत्र शामिल हैं।

नगराम व एसटीएफ की संयुक्तकार्रवाई में अंतरराज्यीय गांजा तस्कर गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। दक्षिणी जोन के नगराम थाना क्षेत्र में पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए आंध्र प्रदेश और ओडिशा से गांजा तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अभियुक्त की पहचान शिवम यादव पुत्र शेर बहादुर यादव निवासी सलेमपुर अचाका, थाना नगराम, लखनऊ के रूप में हुई है। वहीं उसका एक साथी मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है।पुलिस ने पटवा खेड़ा मोड़ के पास से आरोपी शिवम को गिरफ्तार करते हुए स्कॉर्पियो वाहन संख्या न्ध्32ड।7958 से कुल 156. 6 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत लगभग 40 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि यह तस्करी लग्जरी गाड़ियों के जरिए की जाती थी ताकि संदेह से बचा जा सके।बताया गया कि शिवम यादव और उसका साथी सूरज सिंह (निवासी बहुरवा, थाना बल्दीराय, जनपद सुल्तानपुर) वर्ष 2022 में लखनऊ जेल में एक–दूसरे से मिले थे। जेल से छूटने के बाद दोनों ने मिलकर गांजा तस्करी का धंधा शुरू किया। ये लोग गांजा सस्ते दाम पर दक्षिण भारत से खरीदकर लखनऊ के सलेमपुर अचाका स्थित पॉल्ट्री फार्म में छिपाकर रखते थे और फिर लखनऊ व आसपास के जिलों में ऊंचे दामों पर सप्लाई करते थे।सुरक्षा एजेंसियों से बचने के लिए दोनों आरोपी महंगी गाड़ियों का प्रयोग करते थे। इस बार भी तस्करी में एक स्कॉर्पियो कार का इस्तेमाल किया गया था। मुखबिर की सूचना और तकनीकी निगरानी के आधार पर नगराम थाना व एसटीएफ की टीम ने घेराबंदी कर स्कॉर्पियो को रोका। जांच के दौरान ड्राइवर सीट पर बैठा एक युवक खेतों की तरफ भाग निकला, जबकि शिवम यादव को दबोच लिया गया।शिवम यादव के खिलाफ पूर्व में भी थाना पीजीआई में धोखाधड़ी, आपराधिक षड्यंत्र और सरकारी दस्तावेजों के हेरफेर के आरोप में एफआईआर दर्ज है। वहीं फरार अभियुक्त सूरज सिंह पर लखनऊ और सुल्तानपुर जिले में डकैती, मारपीट, हत्या के प्रयास, आपराधिक साजिश, बलवा और एनडीपीएस एक्ट सहित कई गंभीर धाराओं में आधा दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।नगराम थाना में इस मामले में एफआईआर संख्या 181ध्25, धारा 8ध्20ध्29ध्60 एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।गिरफ्तारी व बरामदगी की इस सफलता पर पुलिस उपायुक्त दक्षिणी ने पुलिस टीम को 15 हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की है।

लखनऊ पुलिस की बड़ी सफलता, मोटरसाइकिल चोरी के दो बाल अपराधी पुलिस के संरक्षण में

लखनऊ, (संवाददाता)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के दक्षिणी जोन की कोतवाली कृष्णानगर पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के दो बाल अपराधियों को गिरफ्तार कर पुलिस संरक्षण में ले लिया है। पुलिस ने एक चोरी की हुई होण्डा लीवो मोटरसाइकिल भी बरामद की है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देशन में हुई, जिसमें पुलिस उपायुक्त निपुण अग्रवाल और अपर पुलिस उपायुक्त रल्लापल्ली बसंथ कुमार की देखरेख में थाना कृष्णानगर प्रभारी प्रद्युम्न कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है।घटना का संक्षिप्त विवरण यह है कि दिनांक 31 जुलाई 2025 को विशेश्वर नगर के निकट मंगलेश्वर मंदिर के पास से एक होण्डा लीवो ग्रे रंग की मोटरसाइकिल चोरी हो गई थी। शिकायतकर्ता मनीष कुमार वर्मा ने इसकी तहरीर कोतवाली कृष्णानगर में दर्ज कराई थी। चोरी की इस वारदात का अनावरण करने के लिए पुलिस ने दो टीमें गठित कीं, जिन्होंने सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी व मैनुअल साक्ष्यों की मदद से आरोपी बाल अपराधियों की पहचान की।दिनांक 4 अगस्त 2025 को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर 10रू10 बजे मुर्दया बैकुठ धाम के पास दोनों बाल अपराधियों को पुलिस संरक्षण में लिया। आरोपियों की उम्र क्रमशः 15 और 14 वर्ष है। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे 3–4 दिन पहले यह मोटरसाइकिल चोरी कर लाए थे और इसे बेचने के लिए ले जा रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया।पुलिस के मुताबिक, ये बाल अपराधी अकेलेपन और भीड़–भाड़ वाले इलाकों में खड़ी मोटरसाइकिल चोरी कर उसे सस्ते दामों पर बेचते थे। 15 वर्षीय बाल अपराधी के खिलाफ पहले से ही तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें चोरी और अन्य धाराएं शामिल हैं।अभियुक्तों के विरुद्ध मामला धारा 303(2)ध317(2) भादवि के तहत दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों को कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई के लिए आगे भेजा गया है।यह कार्रवाई कमिश्नरेट लखनऊ पुलिस की अपराध रोकथाम और अपराधियों के खिलाफ त्वरित कार्यवाही का परिचायक है। कोतवाली कृष्णानगर पुलिस टीम को इस सफलता पर सराहना मिली है।

बीबीएयू को मिला राष्ट्रीय गौरव आउटलुक इंडिया रैंकिंग में केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 8वां स्थान

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ ने एक बार फिर राष्ट्रीय शिक्षा जगत में अपनी उपस्थिति को मजबूती से दर्ज कराते हुए गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान आउटलुक इंडिया द्वारा वर्ष 2025 के लिए जारी श्भारत के शीर्ष 20 केंद्रीय विश्वविद्यालयोंश की रैंकिंग में बीबीएयू को देशभर के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 8वां स्थान प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध नवाचार, समावेशी शिक्षा प्रणाली और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।यह रैंकिंग अकादमिक उत्कृष्टता, शिक्षक–छात्र अनुपात, शोध प्रकाशनों, प्लेसमेंट प्रदर्शन, बुनियादी ढांचे, प्रशासन, छात्र संतुष्टि और सामाजिक प्रभाव जैसे विभिन्न मापदंडों पर आधारित थी। बीबीएयू ने सभी क्षेत्रों में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 1000 में से 911.44 अंक अर्जित किए हैं। इनमें अकादमिक एवं शोध उत्कृष्टता में 384.56 अंक, उद्योग सहभागिता व प्लेसमेंट में 189.47 अंक, आधुनिक सुविधाओं व संसाधनों पर आधारित बुनियादी ढांचे में 134.88 अंक, प्रशासन व विस्तार गतिविधियों में 127.99 अंक तथा विविधता व सामाजिक पहुंच के क्षेत्र में 74.54 अंक शामिल हैं। यह प्रदर्शन इस बात को दर्शाता है कि विश्वविद्यालय न केवल अकादमिक क्षेत्र में उत्कृष्ट है, बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी एक सशक्त संस्था के रूप में कार्य कर रहा है।इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राज कुमार मित्तल ने समस्त विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी और इसे टीम भावना, आपसी सहयोग तथा निरंतर मेहनत का प्रतिफल बताया। उन्होंने कहा कि यह रैंकिंग हमारे समर्पित शिक्षकों, शोधकर्ताओं, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के सतत प्रयासों का परिणाम है। विश्वविद्यालय ने हमेशा से गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा को प्राथमिकता दी है और भविष्य में इसे और ऊंचाई तक ले जाने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।उन्होंने यह भी कहा कि बीबीएयू केवल शैक्षणिक क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि समाजिक उत्तरदायित्व, पर्यावरणीय चेतना, महिला सशक्तिकरण और विविधता को बढ़ावा देने जैसे क्षेत्रों में भी निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहा है। विश्वविद्यालय की उन्नत पुस्तकालय सेवाएं, स्मार्ट क्लासरूम, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, तकनीकी संसाधन और छात्रवृत्तियां छात्रों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने में सहायक सिद्ध हो रही हैं।बीबीएयू ने शिक्षण के साथ–साथ शोध क्षेत्र में भी अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। संकाय सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित शोधपत्र, उद्योगों के साथ सहयोग, नवाचार को प्रोत्साहित करने वाले विभिन्न प्रकल्पों और गुणवत्तापूर्ण शोध कार्यों ने इस रैंकिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।आउटलुक इंडिया की रैंकिंग में शामिल अन्य प्रतिष्ठित केंद्रीय विश्वविद्यालयों के बीच बीबीएयू का शीर्ष 10 में शामिल होना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि यह संस्थान तेजी से प्रगति कर रहा है और राष्ट्रीय शिक्षा परिदृश्य में अपनी सशक्त पहचान बना चुका है। यह उपलब्धि न केवल बीबीएयू समुदाय के लिए गर्व का विषय है, बल्कि उत्तर भारत के समूचे शिक्षा जगत के लिए भी एक प्रेरणा का स्रोत है।

उत्तर प्रदेश में केज फ्री मुर्गी पालन की आदर्श प्रणाली पर तीन दिवसीय आवासीय कार्यशाला सम्पन्न

लखनऊ, (संवाददाता)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में दीन दयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ में सरकारी, अर्धसरकारी विभागों, संस्थाओं व रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों को दक्ष और सक्षम बनाने के उद्देश्य से सतत रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।इसी क्रम में 1 से 3 अगस्त, 2025 तक दीन दयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान द्वारा पशुपालन विभाग उत्तर प्रदेश तथा पीपुल फॉर एनीमल पब्लिक पोलिसी फाउंडेशन नई दिल्ली के सहयोग से ष्केज फ्री मुर्गी पालन की आदर्श प्रणाली आधारितष विषय पर तीन दिवसीय आवासीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के महानिदेशक एल. वेंकटेश्वर लू के संरक्षण व अपर निदेशक सुबोध दीक्षित के मार्गदर्शन में किया गया।प्रशिक्षण कार्यक्रम में पशुपालन विभाग के निदेशक (प्रशासन एवं विकास) डॉ. योगेन्द्र सिंह पंवार, अपर निदेशक (कुक्कुट) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद माहौर, उप निदेशक (पोल्ट्री) डॉ. ब्रजेश कुमार त्रिपाठी, निदेशक (रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र) डॉ. राजीव कुमार सक्सेना सहित पीएफए–पीपीएफ, नई दिल्ली से गौरी मौलेखी ने प्रतिभाग किया।

विश्व स्तनपान सप्ताह के उपलक्ष्य में संगोष्ठी का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ऑब्स एवं गाइनी सोसाइटी (जॉग्स) एवं आई ए पी जौनपुर के संयुक्त तत्वावधान में एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ! इस संगोष्ठी में

नगर की महिला चिकित्सकों एवं बाल रोग विशेषज्ञो ने स्तनपान के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन जौग्स की अध्यक्ष डॉ शुभा सिंह ने किया!उन्होंने बताया कि विश्व स्तनपान सप्ताह प्रतिवर्ष अगस्त महीने के प्रथम सप्ताह को मनाया जाता है। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ सरोज यादव ने स्तनपान के महत्व पर चर्चा की ।

शिक्षकों की सेवा सुरक्षा को तत्काल बहाल करे सरकार : विनय वर्मा

प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर–उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ एक जुट द्वारा प्रस्तावित धरना विनय कुमार वर्मा जिलाध्यक्ष के नेतृत्व संपन्न हुआ।पच्चीस सूत्रीय ज्ञापन जिला विद्यालय निरीक्षक को दिया गया। ज्ञापन एसोसिएट विवेक सिंह ने प्राप्त किया।ज्ञापन सौंपने के दौरान जिलाध्यक्ष विनय वर्मा ने शिक्षकों को

संबोधित हुए करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार के द्वारा समाप्त की गई सेवा सुरक्षा को तत्काल बहाल करे।शिक्षकों के तमाम परिलब्धियों को सरकार धीरे–धीरे समाप्त कर रही हैं जिसे तुरंत बहाल किया जाना चाहिए। शिक्षकों के लिए मेडिकल व्यवस्था फ्री की जाय।जो कि केंद्रीय कर्मचारियों के समान लागू किया जाना चाहिए।अगर सरकार हमारे 25 सूत्री मांग पत्र नहीं मानती है तो उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ एकजुट बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस अवसर पर ओम प्रकाश यादव,आनंद स्वरूप यादव,रामेश्वर गोस्वामी,शरद कुमार,पर्चेता, रविकांत,सूरज प्रकाश आदि उपस्थित रहे।

रक्षाबंधन के मौके पर इंडिया पोस्ट ने बहनों को दिया धोखा,नेटवर्क सेवा फेल

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) देश में रक्षाबंधन के मौके पर भारतीय डाक ने बहनों को बड़ा झटका दिया है, हालांकि भारतीय डाक की ओर से रक्षाबंधन की राखी भेजनें की अनोखी व्यवस्था की गई थी, जो कि बहनों के लिए धोखा साबित हो रही है। डाक विभाग का पिछले कई दिनों से नेटवर्क फेल होने से डाक वितरण, स्पीड पोस्ट, रजिस्ट्री का कार्य बाधित है, इस कारण डाक उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सरकारी महत्वपूर्ण डाक, पैसे का लेन देंन, यहाँ तक कि जो लोग डाक विभाग पर अटूट विश्वास करते थे, उनका विश्वास इस त्यौहार के मौके पर टूट रहा है। सूत्रों के अनुसार नया वर्जन अपडेट होने के कारण सभी डाकघरों का कार्य प्रभावित हो रहा है, जबकि उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए डाक विभाग के पास कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है।

रक्षाबंधन पर्व पर रोडवेज विभाग द्वारा बहनों को फिर मिली योगी सरकार द्वारा सौगात

अयोध्या। शासन के निर्देश पर इस बार भी रक्षाबंधन के पर्व पर योगी सरकार बहनों को सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा की सौगात दे रही है।इस संबंध में सहायक प्रबंधक रोडवेज आदित्य प्रकाश ने बताया की योगी सरकार के निर्देश पर इस बार भी यहां से आने–जाने वाली रोडवेज बसो से 8 अगस्त की सुबह से लेकर 10 अगस्त की रात 12रू00 बजे तक यात्रा करने वाले

महिलाओं तथा बहनों को मुफ्त यात्रा कराई जाएगी।उन्होंने बताया कि यहां से संचालित 143 रोडवेज बसों से महिलाएं इन अवधि में रक्षाबंधन पर यात्रा कर सकती हैं।143 बसो मे सें 116 बसें रोडवेज की तथा शेष 27 बसें अनुबंधित शामिल है। यह बसें सभी रूटों पर उपलब्ध रहेगी।उन्होंने बताया कि अगर जरूरत पड़ी तो रोडवेज तथा विभाग से अनुबंधित बसों के फेरों में वृद्धि भी की जाएगी जिससे कि रक्षाबंधन पर्व के दौरान यात्रा करने वाली बहनों व अन्य बस यात्रियों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न उठाना पड़े।वही यात्रियों की सुविधा के लिए बालू घाट पुल के नीचे एक अस्थाई बस स्टेशन बनाया गया है जहां पर 24 घंटे रोडवेज कर्मचारियों की तैनाती की गई है।

खाद्य विभाग में विभिन्न मिठाई के दुकानों पर मारा छापा

अयोध्या। रक्षाबन्धन पर्व पर सहायक आयुक्त द्वितीय खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन मानिक चंद्र व डॉ0 पी0के0 त्रिपाठी,मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में कई जगहों पर मिठाईयां तथा अन्य खाद्य पदार्थ के प्रतिष्ठानों पर छापा मारा।टीम मे शामिल भेलसर,चौरे बाजार सहित मिठाइयों की दुकानों से घी, मिठाई,खोआ,पनीर खोआ आदि का नमूना लेकर प्रयोगशाला आगरा भेजा।उन्होंने बताया कि रिपोर्ट आने के बाद कार्यवाही की जाएगी।इन दोनों अधिकारियों के अलावा टीम में अजय कुमार सोनी,जयदीप मौर्य, विवेक कुमार मौर्य, सुमित चौधरी, शरद पाल शामिल रहे।

परिषदीय विद्यालयों के बच्चों ने तिरंगा यात्रा निकालकर लोगों में राष्ट्रभक्ति की भावना जगाई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर शासन के निर्देश पर परिषदीय विद्यालयों के बच्चों ने तिरंगा यात्रा निकालकर लोगों में राष्ट्रभक्ति की भावना जगाई। इस अभियान के पहले चरण में जनपद के विभिन्न विद्यालयों में देशभक्ति पर आधारित कई गतिविधियां आयोजित की गईं। पीएमश्री कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय अमरौना डोभी और कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय डोभी में छात्रों ने तिरंगा रैली निकाली। साथ ही कला और रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कम्पोजिट विद्यालय सबरहद में रंगोली बनाई गई। कंपोजिट विद्यालय रन्नो द्वारा क्राफ्ट मेकिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय मुफ्तीगंज में छात्राओं ने तिरंगे पर आकर्षक चित्र बनाकर अपनी सृजनात्मकता दिखाई। युपीएस बदलापुर सिरकोनी के बच्चों द्वारा सैनिकों और पुलिसकर्मियों के लिए राखियां बनाकर डाक से भेजी गईं। तिरंगा रैली के दौरान बच्चों ने ष्भारत

माता की जयष्, ष्वन्दे मातरम्ष् और ष्इंकलाब जिंदाबादष् जैसे नारों से माहौल को देशभक्ति से भर दिया। जीजीआइसी मछलीशहर, राजकीय उच्चतर विद्यालय उत्तरगांवा धर्मापुर, जीएचएस नरहन केराकत और राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामनगर सिकरारा सहित अन्य माध्यमिक विद्यालयों में भी तिरंगा रैली और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मदरा अबरे रहमत मझगंवाकला, जौहरूल उलुम मडियाहूं सहित अन्य मदरसों में भी बच्चों ने तिरंगा रैली निकाली। जनपद में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र के निर्देशन और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में सभी परिषदीय विद्यालयों, माध्यमिक विद्यालयों और मदरसों में ष्हर घर तिरंगाष् अभियान के अंतर्गत आयोजन किए जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों के बच्चे पूरे उत्साह और लगन के साथ तिरंगा रैली निकाल रहे हैं। वे पेंटिंग और रंगोली बनाकर राष्ट्रीय ध्वज के महत्व के बारे में बता रहे हैं। उन्होंने सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और शिक्षकों से कहा कि वे बच्चों के अभिभावकों को भी इस कार्यक्रम में शामिल करके हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाएं।

स्कूली बच्चों ने बनाई तिरंगा राखी, निकाली तिरंगा रैली

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर शासन के निर्देश के क्रम 02 अगस्त से 15 अगस्त 2025 की अवधि में तीन चरणों में हर घर तिरंगा 2025 आयाजित किया जा रहा है। प्रथम चरण 02 से 08 अगस्त द्वितीय चरण 09 अगस्त से 12 अगस्त तक तृतीय चरण 13 से 15 अगस्त तक चलाया जाएगा जिसमें विविध प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के कुशल निर्देशन में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में हर घर तिरंगा कार्यक्रम 2025 के अंतर्गत प्रथम चरण में 4 अगस्त को जनपद के प्रत्येक परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों, बच्चों के द्वारा स्कूलों की दीवारों और बोर्ड को तिरंगा से प्रेरित कला से सजाया गया जिसमें सभी बच्चों ने उत्साहपूर्वक बढ चढ़ कर हिस्सा लिया। जनपद के सभी परिषदीय विद्यालयों में तिरंगा से संबंधित प्रतियोगिताएं और रंगोली प्रतियोगिता आयोजित किया गया। सभी परिषदीय विद्यालयों में तिरंगा रैली से संबंधित राखी बनाने की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। बच्चों ने शिक्षकों की मदद से राखियां बनाई और कुछ विद्यालयों द्वारा सैनिकों एवं पुलिस कर्मियों का आभार लिखकर डाक से राखी भी भेजी गई। तिरंगा रैली के दौरान बच्चों ने देश भक्ति गीत गाते हुए भारत माता की जय, वन्दे मातरम, इंकलाब जिन्दाबाद नारे लगाए। उक्त कार्यक्रमों में सभी खंड शिक्षा अधिकारियों के द्वारा अपने–अपने विकास खंडों के विद्यालयों में तिरंगा से संबंधित गतिविधियों की मॉनिटरिंग भी की गई। विद्यालयों के बच्चों द्वारा बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया गया और देशभक्ति की भावना से सभी शिक्षक, बच्चे तथा अभिभावक ओत प्रोत रहे। यह हर घर तिरंगा कार्यक्रम का प्रथम चरण अभी 8 अगस्त तक प्रत्येक दिन आयोजित किया जाएगा।

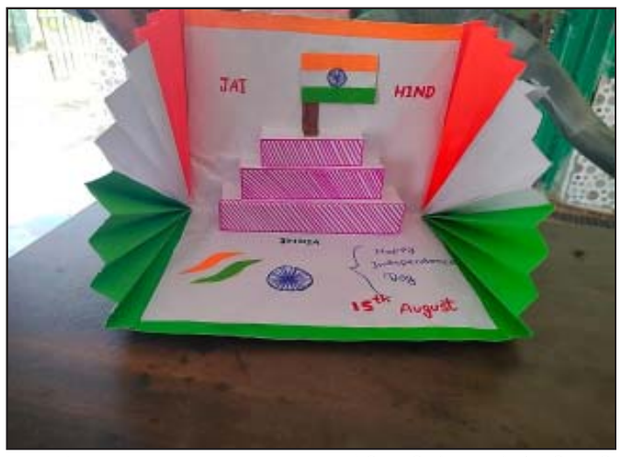

सरकारी सामग्री के लिए एक्सईएन और जेई में रार अभ्रद्रता और मारपीट का एक दूसरे पर लगाया आरोप

गोरखपुर, (संवाददाता)। बिजली निगम के परीक्षण अनुभाग में एक्सईएन और जेई की भिड़ंत के पीछे सामग्री गायब होने की बात सामने आ रही है। कार्यालय में रखे केबल, प्रिंटर, मॉनीटर और अन्य सामग्री अन्यत्र रखने की बात की जा रही है। विवाद के बाद स्टोर रूम में जेई के ताले के साथ ही एक्सईएन ने भी अपना ताला लगा दिया है। अधीक्षण अभियंता ने जांच बैठा दी है। उन्होंने दफ्तर में कैमरा लगवाने के निर्देश दिए हैं। रविवार को एक्सईएन और जेई में हुई मारपीट के बाद सोमवार को जेई कार्यालय नहीं पहुंचे। एक्सईएन ने अपने कक्ष में काम निपटाते रहे। बताया जाता है कि कार्यालय में सप्ताह भर पहले तक केबल, प्रिंटर, मॉनीटर एवं अन्य सामान रखे हुए थे। तीन दिन पहले यह सामग्री यहां से हटा दी गई। रविवार को एक्सईएन ने इसकी खोजबीन शुरू कर दी। चौकीदार से पूछताछ करने के बाद वह जेई प्रमोद कुमार सरोज को फोन किया। बातचीत के दौरान दोनों में कहासुनी हो गई। कुछ देर बाद दोनों कार्यालय में आमने–सामने हुए तो स्थिति और बिगड़ गई। मामला मारपीट तक पहुंच गया। देर शाम निगम के उच्चाधिकारी मामला शांत करने में जुट गए। अधीक्षण अभियंता रणजीत चौधरी परीक्षण कार्यालय पहुंचे। दोनों को समझाया– बुझाया। बताया जा रहा है कि अधीक्षण अभियंता के कहने पर जेई ने माफी भी मांगी। लेकिन, कुछ देर के बाद ही मारपीट का वीडियो वायरल होने लगा। इससे तनाव बढ़ गया। गायब सामग्री के बारे में जेई ने उसे स्टोर में रखने की बात बताई है। एक्सईएन की तरफ गिदही पावर हाउस स्थित स्टोर रूम में दूसरा ताला लगवाया गया है। जबकि, इसमें एक ताला पहले से जेई का लगा है। वहीं घटना के दूसरे दिन कार्यालय की खुली जगह पर पुराने मीटर एवं अन्य सामग्री तितर–बितर पड़े रहे। विद्युत परीक्षण एक्सईएन पराग भारद्वाज और अन्य कर्मचारी कार्यालय में कार्य करते देखे गए। जबकि विवादित जेई प्रमोद कुमार नहीं पहुंचे थे। एक्सईएन पराग भारद्वाज ने बताया कि जेई प्रमोद कुमार सरोज बिना बताए कार्यालय से केबल एवं अन्य सामग्री उठा ले गए थे। चौकीदार से पूछने पर जब जानकारी हुई तो उनसे फोन पर पूछा गया। इसी बात पर जेई भड़क गए। उनसे अभद्रता करने लगे। कार्यालय में आने के बाद भी अभद्रता की। एसई के आने पर मामला शांत हुआ। जेई ने बताया है कि गायब सामग्री स्टोर में रखवा दी गई है। उसका सत्यापन न होने से स्टोर में दूसरा ताला लगवा दिया गया है। विभागीय कार्रवाई के लिए पत्र भी लिखा गया है। उन्होंने कहा कि मेरे ऊपर 38 लाख रुपये की सामग्री के गबन का आरोप लगाया जा रहा है।

जबकि दो महीने पहले ही मेरी तैनाती हुई है। इतनी लागत की सामग्री ही अब तक उपलब्ध नहीं हुई है। वहीं, जेई प्रमोद कुमार सरोज का कहना है कि विभाग के अधिकारियों ने 38 लाख रुपये कीमत की सामग्री गायब कर दी है। शंट मीटर अपने पास रखकर अधिकारी गड़बड़झाला कर रहे हैं। इसका विरोध करने पर एक्सईएन उनसे मारपीट करने लगे। एक्सईएन और जेई में मारपीट से पहले जवाब–सवाल का वीडियो भी वायरल हो रहा है। वीडियो में जेई अभद्र शब्दों का प्रयोग करते हुए यह कह रहे हैं कि उसने प्रमुख और विधायक तक से मारपीट की है। इसके बाद एक्सईएन को भी मारपीट के लिए बार–बार उकसाता नजर आ रहा है। हालांकि, संवाद न्यूज एजेंसी इस वीडियो की पुष्टि नहीं करती है। प्रकरण संज्ञान में है। जांच भी शुरू करा दी गई है। जांच टीम के समक्ष ही स्टोर का ताला खुलवाया जाएगा ताकि गायब सामग्री का सत्यापन किया जा सके।

गोरखपुर डाक विभाग में सर्वर ठप– राखी रजिस्ट्री का काम दूसरे दिन भी ठप

गोरखपुर, (संवाददाता)। डाक विभाग में सॉफ्टवेयर अपडेशन लोगों के लिए मुसीबत बनता जा रहा है। मंगलवार को भी सुबह से सॉफ्टवेयर के न चलने से जिले भर के डाकघरों में काम बंद रहा। स्पीड पोस्ट, रजिस्ट्री, नकदी जमा – निकासी व अन्य काम न होने से लोग परेशान रहे। मुख्य डाकघर में आए लोगों की कर्मचारियों से खूब नोकझोंक हुई। बेबस कर्मचारी व्यवस्था जल्द शुरू होने का आश्वासन देते रहे। 4 अगस्त से देशभर में सेफ्टवेयर 2.0 पर काम होना था। डाक विभाग कई दिनों से अपडेशन काम में लगा हुआ था। दावा था कि सभी काम पूरे कर लिए गए हैं। सोमवार से काम सुचारु रूप से होंगे। सोमवार को डाकघर खुले तो सेफ्टवेयर नहीं चला। इससे आए लोगों को निराश होकर लौटना पड़ा।

राखी बनाओ, चित्रकला एवं क्राफ्ट प्रतियोगिता आयोजित

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) स्वतंत्रता दिवस के प्रथम सत्र के अंतर्गत आज उच्च प्राथमिक विद्यालय बरहा में राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सभी बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।भाई–बहन के अटूट प्यार का प्रतीक राखी को सभी बच्चों ने बहुत ही सुंदर–सुंदर तिरंगा राखियाँ बनाई। इस अवसर पर यूँ तो सभी बच्चों की राखियाँ बहुत ही आकर्षक एवं सुंदर थीं परन्तु उनमें से कुछ राखियों को बनाने वाले बच्चों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुरस्कृत किया जाएगा। राखियों का चयन बरहा ग्राम के अभिभावक विजय यादव द्वारा किया गया। विद्यालय में चित्रकला एवं क्राफ्ट प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें सभी बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। बहुत से बच्चों द्वारा तिरंगा कार्ड, ईयर रिंग, चूड़ी इत्यादि भी बनाए जो कि मुख्य आकर्षण का केन्द्र थे । इस अवसर पर उपस्थित विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष को बच्चों का चयन करना मुश्किल हो रहा था। उन्होंने बताया कि सभी एक से बढ़कर एक हैं

चयनित बच्चों व सभी प्रतिभाग लेने वाले बच्चों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुरस्कृत किया जाएगा। बच्चों का चयन बरहा ग्राम के अभिभावक एवम् विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष देवेन्द्र कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

गैर परंपरागत मार्गो से जुलूस न निकाला जाए : जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र ने आगामी चेहल्लुम के अवसर पर शांति सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के सम्बन्ध में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की। जिलाधिकारी ने ताजिया जुलूस के मार्गों को ठीक करने, बिजली के ढीले तारों को टाइट करने के निर्देश दिए। पुलिस विभाग को चेहल्लुम के शांतिपूर्वक संपादन हेतु संवेदनशील विवादित स्थलों पर समुचित व्यवस्था व विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गैर परंपरागत मार्गों से जुलूस न निकाला जाए। असामाजिक/अराजक तत्वों पर विशेष ध्यान रखने तथा अफवाहों फैलाने से रोकने तथा अफवाह फैलाने

वालों पर कड़ी कार्यवाही कराने के निर्देश दिए। पर्व के अवसर पर पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने और नियमित साफ–सफाई करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह को निर्देशित कि चिकित्सकों की 8–8 घण्टे की ड्यूटी लगायी जाए और एम्बुलेंस के साथ आवश्यक दवाए भी उपलब्ध रहे। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0ध्रा0 राम अक्षयवर चौहान, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, अपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव, नगर मजिस्ट्रेट इन्द नन्दन सिंह सहित संबंधित विभाग के अधिकारीगण कमेटी के सदस्यगण उपस्थित रहे।

एकीकृत प्रशिक्षण में दी गई भाषा शिक्षण, नैतिक शिक्षा की जानकारी

बस्ती, (संवाददाता)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल के निर्देशन में चल रहे पांच दिवसीय एकीकृत प्रशिक्षण के दूसरे दिन का प्रशिक्षण सोमवार को सम्पन्न हुआ। दूसरे दिन के प्रशिक्षण में विशेष तौर पर भाषा शिक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। डायट प्रवक्ता वंदना चौधरी ने बताया कि शिक्षा को बच्चों के बीच सुलह तरीके से उसी भाषा में परोसने का काम करें जिस भाषा में बच्चे उसे आसानी पूर्वक समझ सकते हों। इस अवसर पर बच्चों के धारा प्रवाह पठन की आवश्यकता की भी जानकारी दी गई। प्रवक्ता मो. इमरान ने बताया कि कक्षा 1 से 3 तक के बच्चे को अधिक से अधिक मनोरंजक एवं खेल–खेल में शिक्षा दें ताकि बच्चों में शिक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न हो एवं विद्यालयों में उसका ठहराव सुनिश्चित हो सके। प्रवक्ता अलीउद्दीन ने बताया कि नैतिक शिक्षा और मूल्य–बोध का उद्देश्य छात्रों को सही और गलत में अंतर करना सिखाना, नैतिक मूल्यों को अपने जीवन में शामिल करना और एक जिम्मेदार और नैतिक नागरिक बनना है। इसके माध्यम से छात्रों में ईमानदारी, सहानुभूति, न्याय, और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे गुण विकसित होते हैं। प्रशिक्षण के प्रभारी प्रवक्ता डॉ रविनाथ त्रिपाठी ने बताया कि इस प्रशिक्षण की सार्थकता तभी है जब हम प्रशिक्षण में सीखी गई विधाओं को अपनी कक्षा में लागू करें। इसलिए आप सभी लोग प्रशिक्षण पूरे मनोयोग से करें ताकि प्रशिक्षण में सीखी गई चीजें कक्षाओं तक पहुंच सकें। इस अवसर पर इस अवसर पर डॉ गोविन्द प्रसाद, वर्षा पटेल, कुलदीप चौधरी, राममूर्ति, अजीत सिंह, भागीरथी, राजरतन, अखिलेश, उमेश चंद्र, मो. सलाम, गुलाम अशरफ, रवीन्द्र साहू, श्रेया पाण्डेय, संजय कुमार, तिलकराम, उपेंद्र तिवारी, विजय वर्मा, अरुण द्विवेदी, राघवेंद्र, आशीष, मस्तराम, प्रवीण, विकास पाण्डेय, सूर्यकांत, विपिन शुक्ल, अवनीश, सूर्यप्रकाश, अशोक वर्मा, शाहिदा खातून, अनुराधा, रामबोध उपाध्याय, राकेश सिंह, वंश गोपाल तिवारी, राजन सिंह, चंद्रमणि, प्रमोद ओझा, मनीष पाण्डेय, गोपाल दूबे, हरी जी, लवकुश त्रिपाठी, उमाशंकर बौद्ध ,यशवन्त सिंह, भीमशंकर, मंगला मौर्य, मो.सलाम, उपेन्द्र त्रिपाठी, पवन वर्मा, गुलाम अशरफ, प्रेमचंद आदि अध्यापक उपस्थित रहे।

नियम विरुद्ध युग्मन रद्द करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन

बस्ती, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर सोमवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से शिक्षकों ने नियम विरुद्ध तरीके से युग्मित किए गए विद्यालयों की पेयरिंग रद्द करने, शिक्षकों को बीएलओ ड्यूटी से मुक्त करने और लगातार हो रही बारिश के कारण विद्यालयों में अवकाश घोषित करने की मांग किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि शासन के निर्देश के क्रम में 50 से अधिक छात्र संख्या, दोनों विद्यालयों की आपस में एक किलोमीटर से अधिक दूरी, विद्यालयों के बीच में नदी, नाला, हाईवे, नहर, सड़क आदि होने पर युग्मन का नियम नही है। परंतु जनपद के कई खण्ड शिक्षाधिकारियों द्वारा नियमों के विपरीत रिपोर्ट लगाकर विद्यालयों का युगमन करा दिया गया है। जिसके चलते अभिभावक अपने बच्चों को विद्यालयों की दूरी, दुर्घटना आदि को देखते हुए नहीं भेज रहे हैं। कहा कि पुनः विद्यालयों का स्थलीय निरीक्षण कराते हुए युग्मन की कार्यवाही की जाय।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।